हिन्दी दैनिक

RNI No-UPHIN/2015/63817

मरियम टाइम्स

लखनऊ व हरदोई से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 06 अंक : 292 लखनऊ, मंगलवार 29 दिसम्बर 2020 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2/– रूपया

संक्षिप्त समाचार

फिर से किसान संगठनों के साथ होगी बातचीत

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने नये कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे 40 किसान संगठनों को सभी प्रासंगिक मुद्दों पर अगले दौर की वार्ता के लिए 30 दिसंबर को बुलाया है। सरकार द्वारा सोमवार को उठाए गये इस कदम का उद्देश्य नये कानूनों पर जारी गतिरोध का एक ''तार्किक समाधान'' निकालना है। किसान संगठनों ने वार्ता के लिए पिछले हफ्ते 29 दिसंबर का एक प्रस्ताव दिया था, जिसके बाद सरकार ने उन्हें आमंत्रित किया है। कृषि सचिव संजय अग्रवाल ने किसान संगठनों को लिखे एक पत्र के जरिए उन्हें राष्ट्रीय राजधानी के विज्ञान भवन में 30 दिसंबर को दोपहर दो बजे वार्ता करने का न्योता दिया है। केंद्र और 40 प्रदर्शनकारी किसान संगठनों के बीच अब तक पांच दौर की हुई औपचारिक वार्ता बेनतीजा रही है। वार्ता बहाल करने के लिए किसान संगठनों के प्रस्ताव पर संज्ञान लेते हुए अग्रवाल ने कहा, ''सरकार एक स्पष्ट इरादे और खुले मन से सभी प्रासंगिक मुद्दों का एक तार्किक समाधान निकालने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

तमिलनाडु में हम बड़े भाई, नहीं तो चुनावी विकल्पों पर करे पुनर्विचार–अन्नाद्रमुक

एजेंसी

चेन्नई। सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक ने रविवार को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए चुनावी कैंपेन की शुरुआत कर दी है। इस दौरान अन्नाद्रमुक ने भारतीय जनता पार्टी को एक स्पष्ट संदेश भी दिया है। पार्टी का कहना है कि के पलानीस्वामी मुख्यमंत्री पद के लिए हमारे उम्मीदवार होंगे। इसके साथ ही पार्टी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यदि हम चुनाव जीतते हैं तो हम किसी के साथ सत्ता साझा नहीं करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक सभा को संबोधित करते हुए अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता और उप समन्वयक केपी मुनुसामी ने अपने सहयोगी भाजपा को स्पष्ट कर दिया कि हमारे मुख्यमंत्री पलानीस्वामी आगामी विधानसभा चुनाव में सीएम उम्मीदवार होंगे। अन्नाद्रमुक किसी के साथ सत्ता साझा नहीं करेगा। कोई भी राष्ट्रीय पार्टी या एक क्षेत्रीय पार्टी हमसे हाथ मिलाना चाहता है तो उसे इन शर्तों को मानना होगा वर्ना वह अपने चुनावी विकल्पों पर पुनर्विचार कर सकते हैं।

सपा नेता राम गोविंद चौधरी बोले, देश की आत्मा को कुचलना चाहते हैं मोदी और योगी

एजेंसी

बलिया। उत्तर प्रदेश विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता राम गोविंद चौधरी ने नये कृषि कानूनों को लेकर सोमवार को आर–पार की लड़ाई का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पुलिस के बल पर देश को कॉरपोरेट में बदल कर देश की आत्मा को कुचलना चाहते हैं। सपा के वरिष्ठ नेता चौधरी ने जिले के बाँसडीह विधानसभा क्षेत्र के सैदपुरा ग्राम में आयोजित किसान घेरा चौपाल को संबोधित करते हुए किसान संगठनों से अनुरोध किया, ''31 दिसम्बर तक विवादास्पद तीनों कृषि कघनूनों को वापस नहीं लेने और न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी शक्ल नहीं देने की स्थिति पर किसान संगठन मानेंगे नहीं पर मारेंगे नहीं के नारे के साथ आर पार की लड़ाई लड़ें। उन्होंने कहा, मोदीके इरादे को किसी कीमत पर सफल नहीं होने देना है। देश की आत्मा की रक्षा के लिए हम बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने के लिए तैयार रहें। उन्होंने दिल्ली बार्डर पर डटे किसानों को सलाम करते हुए कहा कि किसान कॉरपोरेट की जंजीरों को तोड़ने की लड़ाई लड़ रहे है।

पीएम मोदी ने भारत की पहली चालक रहित मेट्रो का किया उद्घाटन

कहा– 2025 तक 25 शहरों में मेट्रो चलाने का लक्ष्य

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली मेट्रो की 'मेजेंटा लाइन' पर भारत की पहली चालक रहित मेट्रो का उद्घाटन किया। इसके साथ ही 'एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन' पर 'नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड' सेवा भी शुरू की। सरकार ने कहा है कि चालक रहित ट्रेनें पूरी तरह से स्वचालित होंगी। उसने बताया कि 2021 के मध्य तक 'पिंक लाइन' पर मजलिस पार्क और शिव विहार के बीच चालक रहित मेट्रो सेवा की शुरुआत की जाएगी। मोदी ने कहा कि भविष्य की जरूरतों के लिए देश को आज तैयार करना गवर्नेंस का अहम दायित्व है। लेकिन कुछ दशक पहले जब शहरीकरण का असर और प्रभाव बिल्कुल साफ था उस समय अलग ही रवैया देश ने

देखा। देश की जरूरतों को लेकर उतना ध्यान नहीं था, आधे–अधूरे मन से काम होता था, भ्रम की स्थिति बनी रहती थी। 2014 में सिर्फ 5 शहरों में मेट्रो रेल थी। आज 18 शहरों में मेट्रो रेल की सेवा है। वर्ष 2025 तक हम इसे 25 से ज्यादा शहरों तक विस्तार देने वाले हैं, साल 2014 में देश में सिर्फ 248 किलोमीटर मेट्रो लाइन्स आपरेशनल थीं। आज ये करीब तीन गुनी यानी सात सौ किलोमीटर से ज्यादा है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि इन नवाचारों से दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्य शहरों के निवासियों के लिए सुखद परिवहन और अनुकूल यातायात के एक नए युग का सूत्रपात होगा। दिल्ली में 'एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन' पर 'नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड' सेवा पूरी तरह से शुरू होने से देश के किसी भी भाग से जारी किए गए 'रुपे–डेबिट कार्ड' का इस्तेमाल यात्रा के लिए किया जा सकता है। यह सुविधा दिल्ली मेट्रो के समूचे नेटवर्क पर 2022 तक उपलब्ध कराई जाएगी।

किसानों के समर्थन में उतरे कमल हासन, बोले– कृषि का सम्मान नहीं करने वाले देश का हो जाता है पतन

एजेंसी

तिरुचिरापल्ली। दिल्ली के बाहर विवादास्पद केंद्रीय कृषि कानून का विरोध कर रहे किसानों का समर्थन करते हुए मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) के संस्थापक कमल हासन ने सोमवार को कहा कि जो देश "कृषि का सम्मान नहीं करता उसका पतन हो जाता है।" हासन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि किसान "अन्नदाता" हैं। उन्होंने पूर्व में राष्ट्रीय राजधानी के निकट प्रदर्शन कर रहे किसानों से एकजुटता दिखाने के लिये पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल को भेजा था। हासन ने कहा, "जो देश कृषि का सम्मान नहीं करता उसका पतन हो जाएगा। मैं मानता हूं कि ऐसा हमारे देश के साथ नहीं होना चाहिए। वे (किसान) अन्नदाता हैं। वह दिल्ली में एक महीने से भी ज्यादा समय से चल रहे किसानों के प्रदर्शन से जुड़े एक सवाल पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। ये किसान केंद्र के विवादास्पद कृषि कानूनों को निरस्त किये जाने की मांग कर रहे हैं। रक्तचाप में उतार–चढ़ाव के लिये अस्पताल में भर्ती होने के बाद रविवार को अस्पताल से छुट्टी पाने वाले अभिनेता रजनीकांत से जुड़े एक सवाल पर हसन ने उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। यह पूछे जाने पर कि क्या रजनीकांत द्वारा अगले महीने अपनी पार्टी बनाए जाने के बाद वो उनसे हाथ मिलाएंगे, हसन ने कहा, "हम 40 साल पहले ऐसा कर चुके हैं।" उन्होंने संभवतरू कई फिल्मों में साथ काम करने के संदर्भ में यह बात कही। हासन ने कहा, "यह जरूरी नहीं कि दोस्ती खत्म हो जानी चाहिए" अगर वे राजनीति में आएं तो। पूर्व में दोनों ने राजनीति में साथ मिलकर काम करने के संकेत दिये थे।

कांग्रेस के 136वें स्थापना दिवस पर बोलीं सोनिया गांधी, आजादी से पहले की तरह हैं देश के मौजूदा हालात

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी के 136वें स्थापना दिवस पर सोमवार को दावा किया कि देश में वर्तमान परिस्थितियां आजादी के पहले की तरह हैं और 'तानाशाही ताकतों' से देश को बचाने के लिए सभी को एकजुट होना होगा। पार्टी की ओर से जारी एक वीडियो में सोनिया ने यह भी कहा कि कांग्रेस को हर मोर्चे पर मजबूत बनाने की जरूरत है। उन्होंने आजादी के आंदोलन और देश के विकास में कांग्रेस के योगदान का उल्लेख किया और यह दावा किया, ''आज फिर से परिस्थितियां आजादी से पहले की तरह हैं। जनता के अधिकार कुचले जा रहे हैं। चारो तरफ तानाशाही का आलम है। लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं को खत्म किया जा रहा है। बेरोजगारी चरम सीमा पर है। खेत–खलिहान पर हमला बोला जा रहा है। देश के अन्नदाता पर काले कानून थोपे जा रहे हैं।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम एक बार फिर देश को तानाशाही ताकतों से बचाएं और उनसे लोहा लें। यही सच्ची राष्ट्रभक्ति है।'' उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आह्वान किया, ''जिस तिरंगे के नीचे हमने आजादी हासिल की थी, आज उसी तिरंगे के नीचे हमें एकजुट होना होगा। कांग्रेस को हर मोर्चे पर मजबूत बनाना होगा। यह तिरंगा कांग्रेस और देशवासियों के लिए जीने का हौसला है, लोगों की आशाओं का प्रतीक है और देश का गौरव है। हमें आम जन के दिलों को जीतना है।

गृह मंत्री अमित शाह ने DDCA परिसर में अरुण जेटली की प्रतिमा का किया अनावरण

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने विवाद के बावजूद सोमवार को अपने परिसर में अपने पूर्व अध्यक्ष अरुण जेटली की याद में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिवंगत प्रशासक और राजनेता जेटली की आदम कद प्रतिमा का अनावरण किया जिसे 96 साल के जाने माने शिल्पकार राम सुतार ने तैयार किया है। सुतार ने ही गुजरात में 'स्टैच्यू आफ यूनिटी' का भी निर्माण किया है। इससे पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी ने किसी प्रेरणादायी क्रिकेटर की जगह प्रशासक की प्रतिमा लगाने का फैसला करने के लिए डीडीसीए की आलोचना की थी और मांग की थी कि फिरोजशाह कोटला मैदान की दर्शक दीर्घा से उनका नाम हटा दिया जाए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली, भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन, भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी के सांसद गौतम गंभीर, बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी सहित डीडीसीए के कई अधिकारियों ने अनावरण समारोह में हिस्सा लिया। शाह ने 13 साल तक डीडीसीए अध्यक्ष रहे जेटली को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, ''अरूण मेरे लिए बड़े भाई की तरह थे।

राजनीतिक जगत में उन्हें उनकी खेल भावना के लिए जाना जाता है। वह अपने भाषण में आक्रामक रहते थे लेकिन कभी संसद की गरिमा को कम नहीं होने दिया।'' उन्होंने कहा, ''अरूण ने हमेशा अपने हितों को पीछे रखा, कभी प्रचार की उम्मीद नहीं की और आपातकाल के समय उभरकर आए जब उन्होंने 19 महीने जेल में बिताए। उस समय उनकी राजनीतिक यात्रा शुरू हुई। वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे और उन्होंने कई जिम्मेदारियां निभाई।'' गांगुली ने कहा कि दिल्ली में क्रिकेट के विकास में जेटली का योगदान काफी अधिक है। उन्होंने कहा, ''जब हम खेलते हैं और शतक बनाते हैं तो इसे मान्यता मिलती है लेकिन काफी लोग पर्दे के पीछे से काम करते हैं और क्रिकेटरों की मदद करते हैं। वह क्रिकेटरों के साथी थे। यह प्रशासक की भूमिका होनी चाहिए। गांगुली ने कहा, ''मुझे याद है जब दक्षिण अफ्रीका में 2003 विश्व कप के दौरान उनका फोन आया। हमने पहला मैच गंवा दिया था और पूरा देश हमारे खिलाफ हो गया लेकिन उन्होंने (जेटली) कहा कि संघ आपका समर्थन करता है और आप अच्छा खेले। ये छोटी चीजें मायने रखती हैं, वह शानदार इंसान थे।'' उन्होंने कहा, ''यह काफी प्रतिभावान राज्य है जिसने इतने सामने खिलाड़ी दिए हैं। विराट कोहली, इशांत शर्मा, ऋषभ पंत अब और अतीत में इतने सारे क्रिकेटर। स्थिर डीडीसीए भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छी चीज है और उम्मीद करते हैं कि वे ऐसा कर पाएंगे।'' गंभीर ने कहा कि जेटली की प्रतिमा लगना उन्हें 'परफेक्ट' श्रद्धांजलि है। गंभीर ने कहा, ''हमने उनके कार्यकाल के दौरान रणजी ट्रॉफी जीती और स्टेडियम भी बना। ईमानदारी से कहूं तो बुद्धिजीवी होना और पारदर्शिता रखना किसी भी प्रशासक के लिए सबसे महत्वपूर्ण है और उनके साथ ऐसा था।

कांग्रेस स्थापना दिवस के बीच विदेश गए राहुल गांधी, इससे पहले भी अहम मौकों पर रहे हैं नदारद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का आज 136 वां स्थापना दिवस है। कांग्रेस भारत की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है जिसने आजादी

की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज ही के दिन मुंबई की गोकुलदास तेजपाल संस्कृत महाविद्यालय में कांग्रेस का जन्म हुआ था। एओ ह्यूम ने इस पार्टी की नींव रखी थी। एओ ह्यूम स्कॉटलैंड के एक रिटायर अधिकारी थे। हालांकि जीवित रहते हुए उन्हें कांग्रेस के स्थापक का दर्जा तो नहीं मिला लेकिन उनकी मौत के बाद 1912 में उन्हें इसका संस्थापक घोषित किया गया। 1985 में डब्ल्यू सी बनर्जी को कांग्रेस का पहला अध्यक्ष चुना गया था। 1947 तक आजादी की लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाली कांग्रेस आजादी के बाद भी देश की सत्ता में सबसे ज्यादा दिनों तक रही। अब तक कांग्रेस पार्टी के 88 अध्यक्ष रह चुके हैं। हालांकि आजादी के बाद सिर्फ 18 अध्यक्ष बने हैं। खास बात यह है कि आजादी के बाद पार्टी पर ज्यादातर कमान गांधी–नेहरू परिवार का ही रहा है। 38 साल तक इस पार्टी की कमान गांधी नेहरू परिवार का रहा है। अब तक के 1951 में जवाहरलाल नेहरू के अध्यक्ष पद संभालने के बाद इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी इसके अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान समय में भी सोनिया गांधी ही पार्टी की कप्तान हैं। आजादी के बाद प्रधानमंत्री के तौर पर भी कांग्रेस ने ही सबसे ज्यादा दिनों तक देश की सत्ता पर राज किया है। हालांकि, वर्तमान परिस्थिति कांग्रेस के लिए बिल्कुल अलग है। अगर कहा जाए कि कांग्रेस वर्तमान में अपने सबसे बुरे दौर में है, तो इसमें कोई दो राय नहीं होगी। कांग्रेस के 136वें स्थापना दिवस पर पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने शुभकामनाएं दीं और देश की आजादी एवं विकास में कांग्रेस के योगदान को याद किया। इसके साथ ही कांग्रेस मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया गया। पार्टी अपने स्थापना दिवस पर देश भर में 'तिरंगा यात्रा' निकाल रही है और उसने सोशल मीडिया में 'सेल्फी विद तिरंगा' नामक अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता सोशल मीडिया मंचों पर तिरंगे के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर रहे हैं।

कृषि कानून को लेकर प्रियंका ने साधा निशाना, कहा– तीनों कानूनों को वापस ले सरकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने किसानों के आंदोलन की पृष्ठभूमि में सोमवार को केंद्र सरकार एवं भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि सरकार को अन्नदाताओं की आवाज सुननी चाहिए और तीनों कृषि कानूनों को वापस लेना चाहिए। पार्टी के स्थापना दिवस पर आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद प्रियंका ने संवाददाताओं से कहा, ''सरकार को किसानों की आवाज सुननी चाहिए। यह कहना एकदम गलत है कि यह (आंदोलन) राजनीतिक साजिश है। जिस तरह के शब्द ये किसानों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, वो पाप है। किसान का बेटा सीमा पर खड़ा है। किसान देश का अन्नदाता है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''सरकार किसानों के प्रति जवाबदेह है। किसानों से बातचीत करनी चाहिए। उनकी आवाज सुननी चाहिए और कानूनों को वापस लेना चाहिए। इससे पहले, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने

रविवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के लोकसभा में दिए गए एक भाषण का पुराना वीडियो साझा किया और आरोप लगाया कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन पर वह ''राजनीति'' कर रहे हैं। एक मिनट और सात सेकेंड के इस वीडियो में राहुल गांधी किसानों को बिचौलियों से बचाने के लिए उन्हें उत्पादों को सीधे कारखानों में बेचने की आवश्यकता की पैरवी करते दिख रहे हैं।

ममता बनर्जी बोलीं, केंद्र सरकार का विरोध करने पर अमर्त्य को बनाया गया निशाना

एजेंसी, बोलपुर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार के खिलाफ विचार रखने के लिए भाजपा द्वारा नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्य सेन को निशाना बनाया जा रहा है। बनर्जी ने पिछले सप्ताह अमर्त्य सेन को पत्र लिखकर उनकी पारिवारिक संपत्ति से जुड़े हालिया विवाद को लेकर दुख जताया था। केंद्रीय विश्वविद्यालय विश्वभारती ने पिछले दिनों कहा था कि सेन के परिवार ने ''अवैध'' तरीके से कैंपस में जमीन पर कब्जा कर रखा है। बनर्जी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''केंद्र सरकार के खिलाफ विचार रखने के लिए अमर्त्य सेन को निशाना बनाया जा रहा है। यह बिल्कुल अस्वीकार्य है। राजनीतिक विचार रखने के लिए जिस तरह मुझ पर निशाना साधा जा रहा है, उसी तरह उनपर भी हमले किए जा रहे हैं।'' सेन ने बनर्जी को पत्र लिखकर समर्थन देने के लिए उनका शुक्रिया अदा किया और कहा कि उनकी बुलंद आवाज से उन्हें बड़ी ताकत मिली है। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने आरोप लगाया कि विश्वभारती के कुलपति केंद्र के इशारे पर काम कर रहे हैं।

सम्पादकीय

नयी तरह से सोचने का साल

हरिवंश राय बच्चन की कविता है वर्ष पुराना, ले, अब जाता, कुछ प्रसन्न–सा, कुछ पछताता दे जी भर आशीष, बहुत ही इससे तूने दुख पाया है
साथी, नया वर्ष आया है! उठ इसका स्वागत करने को स्नेह बाहुओं में भरने को नये साल के लिए, देख, यह नयी वेदनाएं लाया है साथी, नया वर्ष आया है!
वर्ष 2020 हम सबके लिए एक बुरे सपने की तरह रहा है. हम सब यह दुआ कर रहे हैं कि 2020 जितनी जल्दी हो सके, हमारे जीवन से चला जाए. इस वर्ष के 365 दिन कैसे बीते, इसके एक–एक दिन का हमें एहसास रहेगा. पूरी दुनिया के लिए यह साल बेहद कठिन रहा. यह हमारे जीवन में अनेक घाव छोड़ कर जा रहा है. कोरोना ने हमारे कई करीबियों को हमसे छीन लिया. हम सब लगभग पूरे साल घरों में बंद रहे। सारी गतिविधियां, काम धंधे ठप पड़ गये. जीवन पूरी तरह से पटरी से उतर गया, लेकिन भारतीय मनीषीयों की सलाह है– बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि लेय. पिछले साल से सीख लेकर उत्साह के साथ आगे का रुख करें. जीवन की गाड़ी धीरे–धीरे पटरी पर लौटने लगी है. नये साल का आगाज नयी उम्मीदों के साथ हो रहा है. कोरोना की वैक्सीन ने नयी उम्मीद जगायी है. जिंदगी में उतार–चढ़ाव जीवन का अभिन्न अंग हैं. इनसे बचा नहीं जा सकता है. हां, पिछले साल से कुछ सबक लेना जरूरी है. यह साल इतिहास में दुनिया के लिए कठिनतम वर्ष के रूप में याद किया जायेगा। उदारवादी अर्थव्यवस्था की सुख–सुविधाओं से हम सब आत्ममुग्ध थे कि अचानक कोरोना आ गया और इसने हमारी जिंदगी की गाड़ी को जैसे पटरी से उतार दिया है. देश में कोरोना से सवा लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं. संक्रमित लोगों की संख्या एक करोड़ को पार कर गयी है। कोरोना का टीका आने वाला है, लेकिन यह हम तक कब तक पहुंचेगा, इसकी सही–सही जानकारी किसी के पास नहीं है. हां, जो चीज हमारे हाथ में हैं, लोग उनका भी पालन करते नजर नहीं आ रहे हैं. भीड़–भाड़ वाले स्थान पर मास्क बेहद जरूरी है, पर आपको बड़ी संख्या में लोग नजर आयेंगे, जो मास्क नहीं लगाये हुए होंगे. मेहरबानी करके मास्क जरूर पहनें।यह कोरोना संक्रमण की रोकथाम का सबसे अहम अस्त्र है. इस मामले में लापरवाही न केवल आपको, बल्कि आपके परिवार और पूरे समाज को संकट में डाल सकती है. कोरोना काल में तकनीक के सहारे ही हमारी जिंदगी चली. इसने हमारी जिंदगी बदल दी है. स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिग व्यवस्था हो अथवा घर–दफ्तर की जरूरतें, सबका संचालन तकनीक की मदद से हुआ. लॉकडाउन के दौर में तो इंटरनेट एक अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम बन कर सामने आया।लोगों के खातों में पैसे पहुंचाने हों, प्रवासी मजदूरों की वापसी का मामला हो अथवा प्रभावित लोगों तक प्रशासनिक मदद पहुंचानी हो, सभी कुछ डिजिटल माध्यम से हुआ. टेक्नोलॉजी का हमारे जीवन में हस्तक्षेप व्यापक हो गया है. नये साल में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और बढ़ना है. यह जान लीजिए कि टेक्नोलॉजी दोतरफा तलवार है. एक ओर जहां यह वरदान है, तो दूसरी ओर मारक भी है. हम सब चाहते हैं कि देश में आधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़े, लेकिन उसके साथ किस तरह तारतम्य बिठाना है, इस पर विमर्श की जरूरत है। कोरोना ने हमारी व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर दिया है. अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि के बावजूद हम स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में बहुत पिछड़े हैं. कोरोना ने स्पष्ट कर दिया है कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत चिंताजनक है. देश में न तो पर्याप्त संख्या में डॉक्टर हैं, न स्वास्थ्य कर्मी. शहरी और ग्रामीण इलाकों में तो स्वास्थ्य सुविधाओं में खाई बहुत चौड़ी है. ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति तो बेहद चिंताजनक है. इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार सवा सौ करोड़ की आबादी का इलाज करने के लिए भारत में केवल 10 लाख एलोपैथिक डॉक्टर हैं। इनमें से केवल 1.1 लाख डॉक्टर सरकारी स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करते हैं. ग्रामीण क्षेत्रों की लगभग 90 करोड़ आबादी स्वास्थ्य देखभाल के लिए सीमित डॉक्टरों पर ही निर्भर है. बजट की कमी, राज्यों के वित्तीय संकट, डॉक्टरों और उपकरणों की कमी के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरायी हुई है. यह कमी कोरोना काल के दौरान साफ उजागर हुई है। कोरोना ने शिक्षा के चरित्र को भी बदल दिया है. मौजूदा दौर में बच्चों का पढ़ाना कोई आसान काम नहीं रहा है. कुछ समय पहले तक माना जाता था कि बच्चे, शिक्षक और अभिभावक शिक्षा की तीन महत्वपूर्ण कड़ी हैं. हमारी शिक्षा व्यवस्था इन तीनों कड़ियों को जोड़ने में ही लगी थी कि इसमें डिजिटल की एक और कड़ी जुड़ गयी है. इसमें कोई शक नहीं है कि शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की सर्वाधिक महत्वपूर्ण कड़ी है, लेकिन वर्चुअल कक्षाओं ने इंटरनेट को भी शिक्षा की एक अहम कड़ी बना दिया है. वर्चुअल क्लास रूम को लेकर खासी चर्चा हो रही है, लेकिन देश में एक बड़े तबके के पास न तो स्मार्ट फोन है, न ही कंप्यूटर और न ही इंटरनेट की सुविधा। जाहिर है कि बच्चों को ये सुविधाएं उपलब्ध कराने का दबाव है. गरीब तबका इस मामले में पहले से ही पिछड़ा हुआ था, कोरोना ने इस खाई को और चौड़ा कर दिया है. कोरोना ने मीडिया, खासकर सोशल मीडिया के चरित्र को भी बदल दिया है. सोशल मीडिया पर कोरोना को लेकर फेक खबरों की बाढ़–सी आ गयी है. हम सबके पास सोशल मीडिया के माध्यम से रोजाना कोरोना के बारे में अनगिनत खबरें और वीडियो आते हैं. इनमें से अनेक किसी जाने–माने डॉक्टर के हवाले होते हैं. कभी फेक न्यूज में कोरोना की दवा निकल जाने का दावा किया जाता है, तो कभी वैक्सीन के बारे में भ्रामक सूचना फैलायी जाती है. आम आदमी के लिए यह अंतर कर पाना बेहद कठिन होता है कि कौन–सी खबर सच है और कौन–सी फेक? यह बात एकदम साफ है कि सोशल मीडिया बेलगाम हो गया है, तो दूसरी ओर वह एक वैकल्पिक माध्यम के रूप में भी उभरा है. इस संकट से एक लाभ यह भी हुआ है कि अखबार खबरों के सबसे विश्वसनीय स्रोत के रूप में उभर कर सामने आये हैं.
यह तथ्य एक बार फिर स्थापित हो गया है कि अखबार खबरों को छापने के पहले तथ्यों की गहन जांच–परख करते हैं और अपनी खबरों के प्रति हमेशा जवाबदेह होते हैं. और अंत में अशोक चक्रधर कविता की कुछ पंक्तियां– न धुन मातमी हो न कोई गमी हो न मन में उदासी, न धन में कमी हो
न इच्छा मरे जो कि मन में रमी हो साकार हों सब मधुर कल्पनाएं नव वर्ष की शुभकामनाएं!

किसानों की भूमि कब्जा, डीजल, खाद-बीज की समस्याओं का निदान तत्काल प्रभाव से करायें:- नोडल

गरीब, असहाय तथा निर्बल लोगों को न्याय दिलाते हुए अपने कर्त्वयों का पालन करें:– डिम्पल वर्मा
गांव की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखने का सबसे अच्छा सूत्र चौकीदार:– एडीजी
भूमि पर अवैध कब्जा करने, अपराधी व आसामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्यवाही करें:– नीरा रावत

हरदोई। जनपद की शान्ति एवं आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए जनपद की नोडल अधिकारी डिम्पल वर्मा ने उपस्थित समस्त उप जिलाधिकारी तथा क्षेत्राधिकारी को निर्देश दिये की संयुक्त रूप से टीम बनाकर गांव के किसानों की भूमि कब्जा, डीजल, खाद–बीज की समस्याओं का निदान तत्काल प्रभाव करायें और किसानों को समय पर लोन उपलब्ध कराने में सहयोग करें तथा किसान प्रतिनिधियों से वार्ता भी करते रहे। उन्होने कहा कि इसके साथ ही नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ ही आम जनमानस की आय, जाति, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र तथा खसरा, खतौनी आदि शिकायतों को प्राथमिकता दें और गरीब, असहाय तथा निर्बल लोगों को न्याय दिलाते हुए अपने कर्त्वयों का पालन करें।
बैठक में एडीजी नीरा रावत ने समस्त एसडीएम एवं सीओ को निर्देश दिये कि गांव की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखने का सबसे अच्छा सूत्र चौकीदार होता है इसलिए सभी सीओ, थानाध्यक्षों के माध्यम से गांव में होने वाली प्रत्येक गतिविधि की जानकारी चौकीदारों से प्राप्त करें और उसी आधार पर अपनी तैयारी एवं कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होने कहा की गांव में किसान एवं ग्रामीणों की समस्याओं एवं अपराधियों की जानकारी रखने के लिए लेखपाल, बीट सिपाही आदि के माध्यम से गांव में अपने–अपने सम्पर्क सूत्र बढ़ायें। उन्होने कहा कि गांव में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए लेखपाल, बीट सिपाही तथा चौकीदार नियमित रूप से भ्रमण करें और किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं की जानकारी तत्काल अपने उच्चाधिकारियों को दें और क्षेत्र भूमि पर अवैध कब्जा करने, वाले अपराधी व आसामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्यवाही करें।
बैठक में जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि किसानों की समस्याओं के निस्तारण हेतु प्रत्येक माह बैठक करने के साथ नियमित रूप से किसान प्रतिनिधि एवं किसानों से वार्ता कर उनकी समस्याओं का समाधान कराया जा रहा है और आम जनसामान्य लोगों की समस्याओं का भी निस्तारण प्राथमिकता पर कराया जा रहा है। बैठक में पुलिस अधीक्षक अनुराग वत्स ने बताया कि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शान्ति व्यवस्था बनायें रखने तथा अपराधिक व आसामाजिक तत्वों पर निगरानी रखनें के लिए रात्रि गस्त बढ़ा दी गयी है और समस्त क्षेत्राधिकारी एवं थानाध्यक्षों को निरन्तर भ्रमणशील रहने के निर्देश दिये गये है। बैठक में अपर जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी सदर लक्ष्मी एन, सण्डीला मनोज कुमार श्रीवास्तव, शाहाबाद अतुल प्रकाश श्रीवास्तव, बिलग्राम कपिल देव यादव, सवायजपुर दीपक कुमार वर्मा तथा समस्त क्षेत्राधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व ब्लाक प्रमुख शिक्षाविद संजय मिश्रा की चतुर्थ पुण्यतिथि पर हुआ हवन पूजन और कन्या भोज

शिक्षाविद संजय कुमार मिश्र पूर्व ब्लाक प्रमुख सुरसा हरदोई की चतुर्थ पुण्यतिथि पर उनके परिवारी जनों और इष्ट मित्रों द्वारा डॉ. हरिशंकर मिश्र ग्रुप ऑफ कॉलेजेज मलिहामऊ के प्रांगण में हवन पूजन और कन्या भोज का आयोजन किया गया तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन इष्ट मित्रों के साथ डॉ. हरिशंकर मिश्र ग्रुप ऑफ कॉलेजेज मलिहामऊ के संरक्षक धनंजय मिश्रा द्वारा हवन पूजन के पश्चात किया गया जिसमें क्षेत्र की कन्याओं सहित हजारों की संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। स्वर्गीय संजय मिश्रा की स्मृति में संजय मिश्रा फाउंडेशन के तत्वाधान में उनकी पत्नी नीरजा मिश्रा,भाई धनंजय मिश्रा, श्याम जी एवं राहुल द्वारा चतुर्थ पुण्यतिथि पर साड़ी एवं शाल वितरण किया गया साथ ही गरीबों को कंबल भी वितरित किए गए। वक्ताओं ने कहा कि संजय मिश्र हमेशा गरीबों की मदद में आगे रहते थे शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने अग्रणी भूमिका निभाई 28 दिसंबर 2016 को अपने पिता स्व. डॉ. हरिशंकर मिश्र जी की स्मृति में उनके द्वारा स्थापित महाविद्यालय में ही पूर्व ब्लाक प्रमुख की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी हवन के पश्चात श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जिसमें प्रमुख रूप से राकेश अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि सवायजपुर रजनीश त्रिपाठी, शैशव त्रिपाठी,सचिन मिश्रा,ब्लॉक प्रमुख सुरसा महिपाल सिंह यादव,रविनारायन मिश्रा,आशुतोष त्रिपाठी,अमरेन्द्र कुमार,गौरव मिश्रा,विनीत द्विवेदी,सुशील अवस्थी, शबील खान,दीपक मिश्रा,श्रीकान्त पाण्डेय,प्रीतेश दीक्षित भाजपा उपाध्यक्ष, सत्यम तिवारी,मानवेन्द्र शुक्ला, शिवओम त्रिपाठी,पंकज तिवारी, डेरानाथ,सुभाष सिंह,नरेश दीक्षित,अमलेन्द्र नाथ मिश्र,प्रधान हरदोई देहात अख्तर गाजी,अशोक कुमार,अनिल दीक्षित,ज्ञानू द्विवेदी, पुरुषोत्तम सिंह,संजय सिंह भिरिया,पुन्नू अग्निहोत्री, सत्तार, रफी, बहाउद्दीन, स्वतंत्र मिश्र, मनीष चौहान सहित क्षेत्र के प्रधान,बीडीसी क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोगों सहित हजारों की तादात में क्षेत्रवासियों ने स्वर्गीय मिश्रा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

चौकीदारों की समस्या को लेकर राज्यवर्धन सिंह राजू डीएम से मिले

हरदोई जनपद के समस्त थानो के चौकीदार मिशन आत्मसंतुष्टि के संचालक समाजसेवी राजवर्धन सिंह राजू जी के नेत्रत्व मे जिलाधिकारी से मिले और अपनी समास्याओं को बताते हुये ज्ञापन दिया चौकिदारों के साथ थानो मे दूर्वेवहार किया जाता है उनसे झाडू लगवाईं जाती है व उनको जरूरत का समान जैसे वर्दी टार्च के सेल फोन रीचार्ज साइकिल आदि की कोई व्यवस्था नहीं दी जाती रजवर्धन सिंह ने कहा की अगर इनकी समस्याएँ शीघ्र नही हल हुईं तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। मौके पर सतगुरू महेन्द्र प्रवीण सिंह राजन धर्मसिंह अनूप तोमर मस्ताना सम्राट सहित तमाम चौकीदार मौजूद रहे।

कांग्रेस सन्देश पदयात्रा निकाल काले कानून वापस लेने की माँग

आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष माननीय अजय कुमार लल्लू जी के निर्देश पर तीन दिवसीय कांग्रेस सन्देश पदयात्रा के पहले दिन आज जिलाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह द्वारा ऐतिहासिक हरदोई कांग्रेस कार्यालय पर ध्वजारोहण किया गया।इसके पश्चात वरिष्ठ कांग्रेस नेता एआईसीसी सदस्य अजय सिंह, पूर्व सेवादल अध्यक्ष हरिओम त्रिपाठी, वरिष्ठ कांग्रेसी जिला उपाध्यक्ष साधू सिंह व श्याम करन त्रिवेदी को सम्मानित किया गया।सभी कांग्रेस जनों ने संविधान, खेत, व किसान की रक्षा की शपथ ली। इसके हरदोई विधान सभा के ग्राम बेहटी के गांव नन्दपुरवा, सम्भर पुरवा, झौनी पुरवा, में पदयात्रा निकाल कर चौपाल लगाई गई।इस अवसर मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव जीतलाल सरोज शामिल हुए। मुख्य अतिथि जीतलाल सरोज ने कहा कि भाजपा सरकार तीनों काले कानून निरस्त करे।किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारण्टी दे।सभी कृषि यंत्रों पर जीएसटी खत्म की जाए।गांव गाँव गौशाला दी जाए वरना रखवाली भत्ता दिया जाए। जिलाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह ने कहा कि फसल की लागत कई गुना बढ़ गयी मगर किसान अपनी फसल औने पौने दामों पर बेचने को मजबूर है।यूपी देश का सबसे बड़ा कर्जदार राज्य बन गया। शहर अध्यक्ष जमील अहमद अंसारी ने कहा कि मंडियों को खत्म करके कृषि सम्बंधित व्यवसाय, मजदूरों की आजीविका छीन कर गांव के विकास को बाधित करने का षड्यंत्र रचा गया है। इस अवसर जिला उपाध्यक्ष साधू सिंह, जिला महासचिव सोनपाल वर्मा, शहर महासचिव भुवनेश सिंह, बृजेश वर्मा, लल्ला सिंह, भगवानदीन आदि साथी शामिल हुए। विधान सभा सवायजपुर– में जिला महासचिव दीपेंद्र सिंह, जिला महासचिव ज्ञानेंद्र यादव, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष निर्भान सिंह यादव ने पदयात्रा निकाली जिसमें जिला सचिव अरविंद शुक्ला, हरपालपुर ब्लॉक अध्यक्ष श्याम बाबू कुशवाहा, भरखनी ब्लॉक अध्यक्ष विदुर त्रिवेदी शामिल रहे। मल्लावां में नगर अध्यक्ष आलम अंसारी, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप राणा द्वारा पदयात्रा निकाली गई। सण्डीला विधानसभा में जिला महासचिव नवरत्न द्विवेदी ब्लॉक अध्यक्ष इदरीस वारसी, नसीम वारसी, ओमप्रकाश अर्कवंशी द्वारा पदयात्रा निकाली गई।

05 जनवरी तक अभिलेख उपलब्ध नहीं कराये तो वाहनों के किराये का भुगतान किया सम्भव नहीं:–संजय

. उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सिंह ने लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2019 को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु अधिग्रहीत ऐसे भारी वाहन स्वामियों से कहा कि उनके वाहन किराये का भुगतान जिला निर्वाचन कार्यालय से नहीं किया गया है

वह अपना बैंक खाता संख्या, आई0एफ0एस0सी0 कोड एवं बैंक शाखा का विवरण, पास बुक की छाया प्रति सहित 05 जनवरी 2021 तक प्रत्येक दशा में जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध करायें ताकि उनके भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित की जायें। उन्होने कहा है कि समय से उक्त अभिलेख उपलब्ध नहीं कराये गये तो उनके वाहनों के किराये का भुगतान किया जाना सम्भव नहीं होगा।

मुख्यमंत्री ने कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि कोरोना के नए स्ट्रेन को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने कोविड चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को चुस्त–दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना के नए स्ट्रेन की जांच के लिए आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। टेस्टिंग कार्य को पूरी क्षमता से संचालित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि रैपिड एन्टीजन टेस्ट की संख्या में वृद्धि की जाए। उन्होंने आर0टी0पी0सी0आर0 टेस्ट को भी पूरी क्षमता से करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद लखनऊ में विशेष ध्यान देते हुए रिकवरी दर को बेहतर किया जाए।

इस सम्बन्ध में एक रणनीति तैयार करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि जनपद की उपचार व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाए। उन्होंने कोविड–19 से बचाव के सम्बन्ध में लोगों को निरन्तर जागरूक किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद स्तर पर इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर को पूरी सक्रियता से संचालित किया जाए। जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रतिदिन अनिवार्य रूप से सुबह कोविड चिकित्सालय में तथा शाम को इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर में बैठक आयोजित कर कार्यों की समीक्षा तथा आगे की रणनीति तय की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के आयोजन के लिए सभी तैयारियां की जाएं। मेले के दौरान लोगों को कुपोषण के सम्बन्ध में जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में आमजन को कोविड–19 से बचाव सम्बन्धी उपाय भी बताए जाएं। बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी0 अवस्थी, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ0 रजनीश दुबे, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य आलोक कुमार, सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैसवारा/ उन्नाव की शान 1857की क्रांति के अमर बलिदानी परमवीर श्री राजाराव बक्स सिंह जी के बलिदान दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई– जिसमें मुख्य रुप से बड़े भैया शशांक शेखर सनी (भाजपा नेता) , विमल शुक्ला, विजय शुक्ला, तन्नी सिंह, गु डा ली सिंह, कान्हा सिंह, शिवम बाजपेई, और कपिल सिंह सभी लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर कहा कि –दुनिया की कोई भी शक्ति आपको किसान हित का सवाल उठाने से रोक नहीं सकती

संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी ने आज ट्वीट करके कहा कि –उप्र कांग्रेस के प्रिय सिपाहियों, आप खेती किसानी की दुर्दशा उजागर करने और गौवंश के साथ हो रहे अनाचार का पर्दाफाश करने के लिए पदयात्रा निकाल रहे हैं। आप 'गाय–बचाओ–किसान–बचाओ का नारा बुलंद कर रहे हैं। दुनिया की कोई भी शक्ति आपको किसान हित का सवाल उठाने से रोक नहीं सकती। कांग्रेस पार्टी द्वारा पूर्व घोषित गाय बचाओ–किसान बचाओ पदयात्रा आज ललितपुर से शुरू हुई। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू सहित पुलिस की नाकेबंदी को धता बताकर कई कांग्रेस नेता ललितपुर पहुंचे। ललितपुर से चित्रकूट तक जाने वाली पदयात्रा बुंदेलखंड के हर जिले से होते हुए गुजरेगी।पदयात्रा में राष्ट्रीय सचिव रोहित चौधरी, बाजीराव खाड़े, पूर्व मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, प्रदेश महासचिव राहुल राय, किसान कांग्रेस अध्यक्ष श्री शिवनारायण परिहार समेत कई वरिष्ठ नेता एवं सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन शामिल रहे।

गाय की अस्थियां घड़े में लेकर अजय कुमार लल्लू पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे थे। पूर्व घोषित कार्यक्रम के बावजूद प्रदेश की योगी सरकार के इशारे पर पुलिस ने प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, राष्ट्रीय सचिव रोहित चौधरी, बाजीराव खाड़े, पूर्व सांसद श्री प्रदीप जैन, उपाध्यक्ष श्री योगेश दीक्षित समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। देर सायं तक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू जी सहित सैंकड़ों कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता पुलिस की हिरासत में हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पदयात्रा का नेतृत्व करते हुए कहा कि गौशालाओं में गायों की स्थिति सुधारो। गौशालाओं में चारे के अभाव में, सर्दी के चलते गायें मर रही हैं? इस पर रोक लगना चाहिए। गौशालाओं के नाम पर आया करोड़ों रुपया कहां गया? एक तरफ गौशालाओं में गायों की स्थिति खराब है, दूसरी तरफ किसान परेशान है? क्या योगी आदित्यनाथ जी की सरकार से ये सवाल पूछना गुनाह है? आखिर ये तानाशाही क्यों? योगी नहीं चाहते कि गाय बचाओ, किसान बचाओ का नारा जन – जन तक पहुंचे? भाजपा का गाय प्रेम का ढोंग आम जनता तक पहुंचे, इसीलिए आज कांग्रेस पार्टी की गाय बचाओ–किसान बचाओ पदयात्रा को पुलिस ने लाठी के बल पर रोका और कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया।

सरकार बताए कब व कहां दें किसान आंदोलन के समर्थन में धरना

संवाददाता

लखनऊ। किसान विरोधी कानूनों की वापसी, न्यूनतम समर्थन मूल्य परकानून बनाने, दुग्ध, फल, सब्जी समेत सभी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य कोतय करने और इसकी सरकारी खरीद की गारंटी व भुगतान कराने, विद्युत संशोधनअधिनियम 2020 को रद्द करने और पराली कानून में किसान विरोधी प्रावधान खत्मकरने की मांगों पर राष्ट्रीयस्तर पर जारी किसानों के आंदोलन के समर्थन मेंप्रदेश की राजधानी लखनऊ में धरना देने के लिए समय और स्थान तय कर बताने केलिए आज अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति के घटक मजदूर किसान मंच केअध्यक्ष व एआईपीएफ के राष्ट्रीय प्रवक्ता एस. आर. दारापुरी ने प्रमुख सचिवगृह को ईमेल द्वारा पत्र भेजा है। इस पत्र की प्रतिलिपि आवश्यक कार्यवाहीहेतु मुख्यमंत्री, डीएम और पुलिस आयुक्त, लखनऊ को भी भेजी गई है। दारापुरी ने अपने पत्र में कहा है कि प्रदेश में हालत यह है कि किसानआंदोलन के समर्थन में कहीं भी यदि शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक ढंग से किसानसंगठन व राजनीतिक दल प्रतिवाद दर्ज करा रहे हैं या प्रशासन को ज्ञापन देनाचाहते हैं तो उनके नेताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है, पुलिस द्वारा उन्हेंघरों में नजरबंद कर दिया जा रहा है और यहां तक कि फर्जी मुकदमें कायम करजेल भेजा जा रहा है। विगत दिनों ऐसे ही कार्यक्रमों में हमारे संगठन केनेता कांता कोल की सोनभद्र में, योगीराज सिंह पटेल की वाराणसी में, अजय रायकी चंदौली में और इकबाल अहमद अंसारी की मऊ में गिरफ्तारी की गई और उन्हेंघर में नजरबंद किया गया। स्थिति यह है कि प्रदेश में सामान्य लोकतांत्रिकगतिविधि भी करना बेहद कठिन हो गया है। किसानों से धान तक की सरकारी खरीदमें व्यापक अनियमितता है और गन्ना किसानों की बुरी हालत है पर पुलिसप्रशासन के बल पर किसी को भी अपनी आवाज तक उठाने नहीं दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में उत्तर प्रदेश शासन और जिला प्रशासन ही हमें किसानआंदोलन के समर्थन में लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरना आयोजित करने के लिएदिनांक, समय और स्थान बताने का कष्ट करे ताकि हम लोग संविधान प्रदत्त अपनीसामान्य लोकतांत्रिक गतिविधि कर सकें।

केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस को किसी भी मिशन के प्रति अगंभीर पार्टी बताया

संवाददाता,

लखनऊ। देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस के स्थापना दिवस पर कांग्रेस के दिग्गज राहुल गांधी के साथ पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने हमला बोला है। इसके साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस को किसी भी मिशन के प्रति अगंभीर पार्टी बताया है। केशव प्रसाद मौर्य ने पहले कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी की राजनीति के प्रति जैसी गंभीरता होनी चाहिए वैसी नहीं है। उनको राजनीति में बेहद गंभीर होना होगा। वह केवल तो प्रधानमंत्री जी के विरोध में अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं, जो कि वह लगातार करते ही हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस के 136वें स्थापना दिवस पर राहुल गांधी कहीं भी नहीं दिख रहे हैं। कांग्रेस के स्थापना दिवस पर ही उनका गायब रहना ही की राजनीति के प्रति गंभीरता को दिखा रहा है।

आज मुसलमानों की दुर्दशा के लिए मुस्लमान खुद जिम्मेदार : अफाक

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय सामजिक संगठन के संयोजक मुहम्मद अफाक ने एक बयान में मुसलमानों पर विशेष रूप से निशाना साधा और कहा कि वे आज भारत में मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार के लिए खुद जिम्मेदार हैं। मोहम्मद आफाक ने कहा कि कहीं बहुत देर न हो जाये कि महमूद पारचा जैसे लोग और आपकी कायरता को देखते हुए चुप हो जाएँ। उन्हें पीछे नहीं हटना चाहिए, क्योंकि 2014 के बाद से आज तक मुसलमानों के खिलाफ सिर्फ साजिशें रची जा रही हैं और संप्रदायवादी ताकतों द्वारा आपके धन को लक्षित किया जा रहा है, और क्यों न किया जाये, अधिक धन भी एक परीक्षण है। क्योंकि आज मुसलमान केवल अपनी जेब भरने में व्यस्त हैं। और गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों को नहीं दिया जा रहा है। आज, सांप्रदायिक ताकतें नए कानून बनाकर उन्हें पूरी तरह से गुलाम बनाना चाहती हैं। तीन तलाक, धारा 370, अधिसूचना, जीएसटी और नागरिकता संशोधन अधिनियम और अब कृषि अधिनियम इस बात की गवाही दे रहे हैं कि वे संविधान का पालन नहीं कर रहे हैं लेकिन लोगों को उनकी तानाशाही के माध्यम से हिंदू और मुसलमानों में बांट रहे हैं और पूरे देश को लूट रहे है।

उत्तर प्रदेश सरकार के अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक रवैये के खिलाफ विपक्षी दलों के सुर एक

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अधोहस्ताक्षरित राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया है कि वह प्रदेश के किसानों की समस्याओं का निराकरण करने के बजाय उनकी आवाज दबाने के लिए असंवैधानिक रवैया अख्तियार कर रही है और पुलिस प्रशासन का नाजायज प्रयोग कर रही है। लोकतान्त्रिक तरीकों से सत्तारूढ़ हुयी भाजपा की राज्य सरकार प्रतिरोध की हर आवाज को कुचलने के लिए तमाम गैर कानूनी हथकंडे अपना रही है और लोकतन्त्र को नेस्तनाबूद करने पर आमादा है। उत्तर प्रदेश में किसानों और उनके समर्थन में की जाने वाली हर शांतिपूर्ण कार्यवाही और लोकतान्त्रिक आंदोलनों को बाधित किया जा रहा है। प्रदेश में शांतिपूर्ण धरने, प्रदर्शनों को रोका जा रहा है, किसान जत्थों को दिल्ली जाने अथवा आंदोलनकारी किसानों को रसद पहुंचाने से रोका जा रहा है, यहाँ तक कि सभा करने, पर्चे बांटने और किसानों के पक्ष में अनशन करने वालों को भी गिरफ्तार किया जा रहा है। आपातकाल की ज्यादतियों को पीछे छोड़ने वाली ये कारगुजारियाँ किस नियम कानून के तहत की जा रही हैं, सरकार बताने को तैयार नहीं है। योगी सरकार सत्ता के मद में सारी लोकतांत्रिक सीमाओं को पार कर रही है। उसने गांव–गांव में किसानों की जासूसी करने के लिए पूरी नौकरशाही को लगा दिया है। अधोहस्ताक्षरित का मानना है कि प्रदेश के किसान तीनों कृषि कानूनों और विद्युत बिल 2020 की वापसी चाहते हैं। वे एमएसपी की गारंटी चाहते हैं क्योंकि उन्हें किसी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिल नहीं पा रहा। हद तो यह है कि एमएसपी के आधे मूल्य पर उन्हें अपनी उपजें बेचनी पड़ रही हैं। सरकारी खरीद तक दलालों के जरिये की जा रही है। ऐसे समय में जब बिजली डीजल खाद कीटनाशक एवं बीज आदि के दामों में भारी बढ़ोत्तरी हुयी है किसानों को लागत भी वापस नहीं मिल पा रही है। किसान सम्मान निधि द्वारा दी जारही धनराशि द्वारा उनके घावों को भरना तो दूर जले पर नमक छिड़कने का काम कर रही है। उत्तर प्रदेश के किसान सरकार की खोखली नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। चीनी मिलों पर किसानों का करोड़ों बकाया पड़ा हुआ है। कर्ज में डूबे किसान आत्महत्यायें कर रहे हैं। आवारा पशुओं से फसलों की रखवाली हेतु उन्हें इस शीतकाल में न केवल रात रात भर जागना पड़ रहा है अपितु आवारा पशुओं के हमलों में अपनी जानें गंवा रहे हैं। दिसंबर माह में ही प्रदेश में कई दर्जन किसान आवारा पशुओं के जानलेवा हमलों के शिकार हुये हैं। योगी सरकार गोरक्षक होने का ढोंग करती है जबकि तमाम गोधन भूखों प्यासा मारा फिर रहा है और किसानों की फसल को रौंद रहा है। बिजली कटौती, नहर बंबों में पानी न आने और जलस्तर नीचे चले जाने से किसान अलग परेशान है। योगीराज में लुटा–पिटा, तबाह हाल किसान अपने हक की आवाज नहीं उठा पा रहा। उनके समर्थक किसान संगठन और राजनैतिक दलों को भी सरकारी दमन का शिकार बनाया जा रहा है। जबकि सत्तापक्ष की गतिविधियां और किसानों को भ्रमित करने को बड़ी बड़ी सभाएं सारे कानूनों को ताक पर रख कर अंजाम दी जा रही हैं। लोकतान्त्रिक व्यवस्था में यह असहनीय और अस्वीकार्य है। सरकार को इससे बाज आना चाहिये। ऐसी स्थिति में प्रदेश के राज्यपाल महोदय को हस्तक्षेप कर राज्य में लोकतान्त्रिक गतिविधियां बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाना चाहिए। माननीय उच्च न्यायालय से भी मामले का स्वतः संज्ञान लेकर उचित कदम उठाने की अपील है। किसान आंदोलन में भाग लेने जाने वाले किसानों एवं उनके समर्थन में की जाने वाली शांतिपूर्ण कार्यवाही और गतिविधियों को रोकने, फर्जी मुकदमों में फंसाने आदि अलोकतांत्रिक और गैर संवैधानिक रवैए से उत्तर प्रदेश सरकार बाज आए। केंद्र सरकार तीनों कृषि कानून और बिजली संशोधन विधेयक 2020 वापस ले।

कांग्रेस ऑफिस के बाहर धरना पर बैठे अजय कुमार लल्लू

संवाददाता,

लखनऊ। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस आज यानी 28 दिसंबर को अपना 136 वां स्थापना दिवस मनाया। लखनऊ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में ध्वजारोहण के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इसके बाद वह कार्यकर्ताओं के साथ पैदल ही हजरतगंज में जीपीओ पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यापर्ण करने जाने लगे तो पुलिस ने सभी को रोक दिया। इससे नाराज होकर अजय कुमार लल्लू पार्टी के अन्य नेताओं के साथ कांग्रेस ऑफिस के बाहर धरना पर बैठ गए। लखनऊ में सोमवार को कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय से जीपीओ

पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यापर्ण करने जा रहे थे। इसी बीच पुलिस ने सभी कांग्रेसी नेता तथा कार्यकर्ताओं को ने रोका दिया। इनका कार्यक्रम कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय से गांधी प्रतिमा तक जाने का था। पुलिस के रोकने से सभी नेता विरोध करने लगे। अजय कुमार लल्लू के साथ वहां पर नसीमुद्दीन सिद्दीकी तथा प्रदेश कांग्रेसी कमेटी के अन्य नेता धरना पर बैठ गए। इसके विरोध में आज इनका उपवास का कार्यक्रम है। अजय कुमार लल्लू के नेतृत्व में वहां पर बड़ी संख्या में कांग्रेसी एकजुट हैं। कांग्रेस के तमाम नेता तथा कार्यकर्ता धरने पर बैठे हैं। इन सभी का आरोप है कि प्रदेश की पुलिस दमन पर उतर आई है। आज कांग्रेस के स्थापना दिवस पर पार्टी के कार्यकर्ता तथा नेताओं को उत्तर प्रदेश सरकार की पुलिस ने लखनऊ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी प्रतिमा पर माल्यार्पण तक नहीं करने दिया। कांग्रेस संदेश यात्रा लखनऊ में पार्टी के प्रदेश कार्यालय से निकल रही थी। कांग्रेस आज देश भर में अपना 136वां स्थापना दिवस मना रही है।

पुलिस आयोग का गठन हो-हिन्दू समाज पार्टी

मांग को लेकर निकाला गया संकल्प मार्च

संवाददाता,

लखनऊ। पुलिस आयोग के गठन एवं पुलिसकर्मियों की मूलभूत समस्याओं को दूर करने की मांग को लेकर आज हिन्दू समाज पार्टी ने संकल्प मार्च निकाला। तय कार्यक्रम के अनुसार पार्टी के कैम्प कार्यालय 2842 इन्दिरानगर से अपराह्न बारह बजे पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौरव वर्मा, संगठन मंत्री मोहित मिश्रा, धर्माचार्य प्रमुख सरोजनाथ योगी के नेतृत्व में संकल्प मार्च की शुरूआत हुयी जो विभिन्न मार्गों से होते हुये मनकामेश्वर मन्दिर के समक्ष गोमती तट पर पहुंच कर समाप्त हुआ। इस मौके पर सरोजनाथ योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार को पुलिस की मूलभूत समस्याओं के लिये कदम उठाये, वहीं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौरव वर्मा ने कहा कि सरकार को पुलिस कर्मचारियां की समस्याओं जैसे एक दिन में आठ घण्टे की डियूटी सुनिश्चित करना, साप्ताहिक अवकाश देने, महिला पुलिस कर्मियों को गृह जनपद में नियुक्त किये जाने, बार्डर स्कीम समाप्त करने सहित छह सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा गया। संकल्प मार्च में युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रांशु जोशी ने कहा कि जब कोई घटना घट जाती है तो पब्लिक और पुलिस एक दूसरे के पूरक बनकर जनता एवं समाज का सहयोग करती है, ऐसे में पुलिस की समस्याओं को दूर करने आदि के लिये पुलिस आयोग का गठन किया जाना जरूरी है। संकल्प मार्च में पंकज श्रीवास्तव, संगठन मंत्री, सौराष्ट्र, सौरभ, मुन्ना निशाद, कृष्ण कुमार पाठक, बंटी सहित काफी संख्या में लोग शमिल हुये।

नववर्ष के कार्यक्रमों में कोविड–19 प्रोटोकॉल का पालन कराये जाने के निर्देश

संवाददाता

लखनऊ। कोविड–19 के प्रभावी नियंत्रण व रोकथाम के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय–समय पर निर्गत गाइडलाइन्स के क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नववर्ष के कार्यक्रमों में कोविड–19 के प्रभावी नियंत्रण व रोकथाम हेतु विशेष सजगताध्सावधानी बरते जाने व कोविड प्रोटोकॉल, गाइडलाइन्स का पूर्णतः पालन कराये जाने के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा–निर्देश समस्त मण्डलायुक्तों, अपर पुलिस महानिदेशकों, पुलिस महानिरीक्षकों, पुलिस उप महानिरीक्षकों रेंज, पुलिस आयुक्त लखनऊ एवं गौतमबुद्ध नगर, जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को जारी किये गए हैं। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि नववर्ष के उपलक्ष्य में होने वाले सामूहिक कार्यक्रमों व अन्य आने वाले कार्यक्रमों में लोगों का अधिक संख्या में एकत्रित होना स्वाभाविक है, जिससे कोरोना संक्रमण के प्रसार की संभावना रहेगी, कार्यक्रमों में विशेष सजगता,सावधानी बरतते हुए पूर्व में जारी दिशा–निर्देशों, कोविड–19 प्रोटोकॉल का पूर्णतः पालन कराये जाने के साथ–साथ नववर्ष के अवसर पर मनाये जाने वाले कोई भी कार्यक्रम सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी एवं कमिश्नरेट जिलों में पुलिस कमिश्नर को पूर्व सूचना देकर ही आयोजित किये जाएं। अनुमति के समय ही आयोजक का नाम, पता, मोबाइल नम्बर प्राप्त कर सूचीबद्ध कर लिया जाए तथा उनसे कार्यक्रम में शामिल होने वाले व्यक्तियों की अनुमानित संख्या भी प्राप्त कर ली जाए। इसके अतिरिक्त आयोजकों को उनके द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों के सम्बन्ध में कोविड–19 से बचाव सम्बन्धी दिशा–निर्देशों से भली–भांति अवगत करा दिया जाए, यह भी स्पष्ट कर दिया जाये कि कार्यक्रम के दौरान कोविड प्रोटोकॉल तथा गाइडलाइन्स के अनुपालन का उत्तरदायित्व उन्हीं का होगा। किसी भी बन्द स्थान यथा हॉल एवं कमरे में कार्यक्रम की स्थिति में हॉल एवं कमरे की निर्धारित क्षमता का 50 प्रतिशत किन्तु एक समय में अधिकतम 100 व्यक्तियों तक तथा

खुले स्थान एवं मैदान में कार्यक्रम होने की स्थिति में ऐसे स्थानों के क्षेत्रफल के 40 प्रतिशत से कम क्षमता तक ही फेस मास्क, सोशल डिस्टेन्सिंग, थर्मल स्कैनिंग, सेनिटाइजर एवं हैण्डवाश की उपलब्धता की अनिवार्यता के साथ अनुमन्य किया जाए। आयोजकों को कार्यक्रम आयोजन के दौरान जारी दिशा–निर्देशों के अनुक्रम में कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले व्यक्तियों की निर्धारित संख्या एवं मास्क धारण करने तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने एवं कार्यक्रम स्थल पर थर्मल स्कैनिंग, हैण्डवाश एवं सैनिटाइजेशन कराये जाने के सम्बन्ध में अवश्य अवगत करा दिया जाए। इसके अलावा नववर्ष के कार्यक्रमों के दृष्टिगत वर्तमान में कोविड–19 के संक्रमण की प्रभावी रोकथाम हेतु जनपद स्तर पर पी0ए0 सिस्टम, लाउड हेलर आदि के माध्यम से अनवरत प्रचार–प्रसार कराया जाए। जनता के व्यक्तियों को नववर्ष का पर्व सार्वजनिक स्थानों पर न मनाकर यथासंभव अपने–अपने घरों में ही मनाए जाने के लिए प्रेरित किया जाए। कार्यक्रम स्थलों के आस–पास समुचित पुलिस पेट्रोलिंग की व्यवस्था प्रभावी ढ़ंग से सुनिश्चित करायी जाए। सार्वजनिक स्थानों एवं कार्यक्रम स्थलों पर यथावश्यक ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी सतत् निगरानी की जाए। यू0पी0 112 के वाहनों का विशेष कार्यक्रम स्थलों पर आवश्यकतानुसार व्यवस्थापन किये जाने हेतु प्रभारी द्वारा अवश्य विचार कर तदनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त नववर्ष पर्व के दृष्टिगत भड़काऊ एवं विद्वेष फैलाने वाली भ्रामक अफवाहों की तत्परता से रोकथाम हेतु जनपद स्तर पर सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी अवश्य रखी जाए।

बीसलपुर के गांव पुरैनिया के ग्रामीणों ने रामलीला मैदान में किया प्रदर्शन

संवाददाता
पीलीभीत बीसलपुर। गांव ललौर गुजरानपुर में विधायक ने पुल बनवाए जाने के लिए जमीन को चिन्हित किया। जिसकी सूचना पुरैनिया रामगुलाम के ग्रामीणों को मिल गई और भाजपा विधायक आवास पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जा धमके जहां पर विधायक ने ग्रामीणों को खरीखोटी सुना डाली। जिससे भड़के ग्रामीणों ने रामलीला मैदान में आकर विधायक के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री से पुल को पुरैनिया रामगुलाम में ही बनवाए जाने की मांग की। बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव ललौर गुजरानपुर में लंबे समय से देवहा नदी पर किसी भी प्रकार का कोई पुल नहीं है। जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस ज्वलंत समस्या को देखते हुए भाजपा विधायक रामसरन वर्मा, एसडीएम राकेश कुमार गुप्ता गांव में पहुंचे जहां पर उन्होंने ग्रामीणों की समस्या का निदान करने के लिए पुल बनवाए जाने को जगह का निरीक्षण किया तथा पुल बनवाए जाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को अवगत कराने का ग्रामीणों को आश्वासन दिया है। जिसकी सूचना गांव पुरैनिया रामगुलाम व टिहुलिया के ग्रामीणों को मिली। वैसे ही ग्रामीण भाजपा विधायक रामसरन वर्मा के आवास पर पहुंच गए। उन्होंने पुल को पुरैनिया रामगुलाम में बनवाए जाने की मांग की। जिस पर ग्रामीणों ने कहा कि पूर्व में इंजीनियर के द्वारा जगह चिन्हित कर दी गई थी। हमारे गांव में पुल बनवाया जाए। जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को लाभ मिल सके। जिस पर भाजपा विधायक ने ग्रामीणों को खरीखोटी सुना दी। भड़के ग्रामीणों ने रामलीला मैदान में पहुंचकर विधायक के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री से उनके गांव में ही पुल बनवाए जाने की मांग की है। प्रदर्शन करने वालों में उमेशपाल गुर्जर, अमर सिंह, राजेंद्र कुमार, ओमपाल, राजू, सर्वेश कुमार, चंद्रप्रकाश, कुवरपाल, राजेश, रीतराम, राजेश कुमार, भगवानदास आदि शामिल थे। उधर विधायक रामसरन वर्मा का कहना है कि पुरैनिया रामगुलाम में पुल बनवाने से दो नदियों पर पुल बनवाना पड़ेगा। जो सरकार नहीं बनवा सकती। विधायक निधि से पुल निर्माण करा सकते हैं। जगह इंजीनियर द्वारा चिन्हित की जाती है कि किस जगह पर पुल बन सकता है। इसलिए उन्होंने जिस जगह को चिन्हित किया है। वह जगह इंजीनियर के देखने के बाद तय की जाएगी। अभी सिर्फ ललौर गुजरानपुर में जाकर जगह को देखा गया है।?,

डग्गामार वाहन लगा रहे प्रदेश के परिवहन विभाग को चुना

संवाददाता
बिजनौर शेरकोट। नगर में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में डग्गामार वाहनों की भागदौड़ से

जहां उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को लाखों रुपए प्रतिदिन का नुकसान हो रहा है वहीं लोगों को अपनी जान पर खेलकर यात्रा करनी पड़ती है यदि समय रहते इन डग्गामार वाहनों को बंद नहीं कराया गया तो किसी भी दिन किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता नगर थाना क्षेत्र ही नहीं तहसील और जिले भर में यह डग्गामार वाहन खूब फल फूल रहे हैं प्रशासन सब कुछ जानते हुए भी अनजान बना हुआ है जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि वाहन चालकों पर या तो किसी सत्ताधारी नेता का हाथ है या फिर संबंधित विभाग से सांठगांठ है वाहनों के चालक अपनी गाड़ियों में यात्रियों को भूसे की तरह भरते हैं और हवा की रफ्तार से गाड़ी चलाते हैं पलक झपकते ही गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना रहता है जो समय से पहले ही काल के गाल में समा जाने को तैयार रहती है बताया जाता है नगर तहसील जिले भर में डग्गामार वाहनों का बोलबाला है यात्रियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कुछ वाहन चालक नाबालिक है और धड़ल्ले से वाहन चला रहे हैं तथा अनेक वाहनों में म्यूजिक सिस्टम लगे हुए हैं जिस कारण हर वक्त दुर्घटना होने का भय बना रहता है नगर वासियों ने जिलाधिकारी महोदय से समाचार पत्र के माध्यम से इस और कड़ा रुख अपनाए जाने की मांग की है

ब्रेकथ्रू के 'दखल दो' अभियान से जुड़े फिल्म अभिनेता राजकुमार राव

महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए राजकुमार राव ने लोगों से दखल देने की अपील की

लखनऊ। महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा और भेदभाव को अस्वीकार्य बना कर एक समानता वाला समाज बनाने की मांग करने वाली स्वयंसेवी संस्था ब्रेकथ्रू ने आज अपने अभियान श्दखल दो ' को शुरू करने की घोषणा की। 'दखल दो' जिसका अर्थ है श्हस्तक्षेप करना। यह अभियान 19–25 आयु वर्ग के युवाओं को सार्वजनिक और निजी स्थानों, दोनों में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए यानी दखल देने को, प्रेरित करने के लिए बनाया गया है। अभियान से आम लोंगों को जोड़ने और उनको महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के हेतु प्रेरित करने के लिए ब्रेकथ्रू ने प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव से हाथ मिलाया है।

यह अभियान खास तौर से युवाओं को, जब वे महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को अपने स्वयं के जीवन में या सार्वजनिक स्थानों पर होते हुए देखते हैं, तो उनको दखल देने के लिए प्रेरित करना चाहता है। साथ ही यह अभियान भारत में महिलाओं और लड़कियों के लिए सुरक्षित स्थान बनाने के लिए एक बाएस्टैंडर की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है। दखल दो अभियान यूपी, हरियाणा, बिहार–झारखंड और दिल्ली में चल रहे ब्रेकथ्रू के कार्यक्रमों का अभिन्न हिस्सा होगा। इस साझेदारी पर राजकुमार राव ने कहा, मैं 'दखल दो' अभियान के लिए ब्रेकथ्रू के साथ हाथ मिलाने को लेकर बहुत उत्साहित

हूं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि इस तरह के प्रयास हमें महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने में मदद करेंगे। मैंने देखा है कि ज्यादातर लोग शारीरिक हिंसा होने पर ही कुछ कहते या करते हैं यानी वह शारीरिक हिंसा को ही हिंसा मानते हैं, लेकिन अकसर इस तथ्य को लोग नहीं समझ पाते कि हिंसा अन्य रूपों और आकारों में हमारे आस–पास मौजूद जैसे कि भावनात्मक, मानसिक और वित्तीय हिंसा, इस सोच को बदलने की जरूरत है। हिंसा के विभिन्न रूपों और महिलाओं पर उनसे पड़ने वाले प्रभाव पर नियमित चर्चा और जागरूकता की आवश्यकता है। यह चर्चा जो अभी सीमित जगहों या दायरों में हो रही है उसे बड़े स्तर पर लोगों तक ले जाने की जरूरत है जिसमें हमें सभी का साथ चाहिए। मेरा मानना है कि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा हर किसी की समस्या है और हमें इसमें बोलने,उसे रोकने और उसमें दखल देने की जरूरत है। हाल के वर्षों में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा के मामले, विशेष रूप से सार्वजनिक स्थानों पर बढ़ते हुए देखे गए हैं। एनसीआरबी–2018 की रिपोर्ट के अनुसार देश भर में महिलाओं के खिलाफ अपराध के लगभग 3.78 लाख मामले दर्ज हुए हैं। दखल दो कैंपेन का उद्देश्य लोगों में जागरूकता बढ़ाना है कि वह कैसे चेंज मेकर बनें न कि मूक दर्शक यानी वह महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को अनदेखा न करें बल्कि आगे बढ़कर उसे रोकने के लिए कदम उठाएं। यह सोच लोगों को महिलाओं के साथ होने वाले संभावित अपराधों को पूर्व में ही पहचानने, उन्हें समझने और उसमें दखल देने के लिए प्रेरित करेगी। इस कैंपेन के लांच के अवसर पर ब्रेकथ्रू की अध्यक्ष और सीईओ सोहिनी भट्टाचार्या ने कहा 'ब्रेकथ्रू एक ऐसा माहौल बनाने के लिए समर्पित है जिसमें महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा और भेदभाव अस्वीकार्य हो। 'दखल दो' कैंपेन जागरूकता बढ़ाने, कार्रवाई को प्रेरित करने और अधिक लोगों को लिंग आधारित हिंसा (जेंडर बेस्ड वॉयलेंस) को नकारते हुए और नहीं कहने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह अभियान लोगों को सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों के निर्माण के लिए चेंजमेकर्स के रूप में अपनी भूमिका को समझने के लिए प्रेरित करेगा। हमें प्रसन्नता है कि इस संदेश को पूरे देश में बड़ी संख्या में लोगों तक ले जाने के लिए प्रसिद्ध अभिनेता राजकुमार राव हमारे साथ जुड़े हैं।"

'दखल दो' अभियान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और उन्हें अभियान से जोड़ने के लिए हम सोशल मीडिया सहित मीडिया के विभिन्न माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं। इस अभियान में हम एक प्रतियोगिता की भी घोषणा कर रहे हैं जिसमें 15–25 आयु वर्ष के लोग शामिल हो सकेंगे। प्रतिभागियों में शामिल होने के लिए व्हाट्सएप नंबर 9953124083 या 'दखल दो' के पेज पर जाकर अपनी कहानियों को वीडियो, ऑडियो या लिख कर साझा करना होगा। जिसमें उनको यह बताना होगा कि उन्होंने कैसे हस्तक्षेप करके किसी महिला के साथ होने वाली संभावित हिंसा की घटना को रोका। प्रतियोगिता के जीतने वाले तीन विजेताओं को मिलेगा अभिनेता राजकुमार राव से उनके दखल के लिए पर्सनल मैसेज और अपनी कहानी रेडियो पर सुनाने का मौका। प्रतियोगिता की आखिरी तारीख 15 जनवरी है।

ब्रेकथ्रू के बारे में
ब्रेकथ्रू एक स्वयंसेवी संस्था है जो महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ होने वाली हिंसा और भेदभाव को समाप्त करने के लिए काम करती है। कला, मीडिया, लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागेदारी से हम लोगों को एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिसमें हर कोई सम्मान, समानता और न्याय के साथ रह सके। हम अपने मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से महिला अधिकारों से जुड़े मुद्दों को मुख्य धारा में ला कर इसे देश भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक भी बना रहे हैं। इसके साथ ही हम युवाओं, सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को प्रशिक्षण भी देते हैं, जिससे एक नई ब्रेकथ्रू जेनरेशन सामने आए जो अपने आस–पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

उधार देने से मना करने पर दलित के साथ की मारपीट

संवाददाता
पीलीभीत दियोरिया कला। पंसड़ी नहर पुलिया पर रखे खोखे पर उधार देने से मना करने पर दुकानदार को जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट की। पीड़ित दुकानदार ने नामजद तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। गांव पंसड़ी निवासी रमेश चंद्र धोबी की पंसड़ी नहर पुलिया पर पान बीड़ी की दुकान है। उसकी दुकान पर गांव रामशाला नौगवां निवासी अमन मिश्रा आकर सामान उधार मांगने लगा। जिस पर दुकानदार ने अपने पिछले पैसे मांगे। इसी बात से दुकानदार को जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए लाठी डंडे से मारपीट करने लगा। जिस पर पड़ोसी लोगों ने आकर बीच–बचाव किया। पीड़ित रमेश चंद्र ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है।

खाद्यान्न वितरण में अनियमितता पर कोटेदार पर एफआइआर

सोनभद्र। सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान से खाद्यान्न वितरण में अनियमितता मिलने पर राबर्ट्सगंज के क्रय विक्रय सहकारी समिति के कोटेदार बृजेश कुमार पर खाद्यान्न वितरण में अनियमितता मिलने पर राबर्ट्सगंज कोतवाली में एफआइआर कराई गई है। उन पर 77 कार्डधारकों को गलत तरीके से राशन देने का मामला प्रकाश में आया है। जिला पूर्ति अधिकारी डा. राकेश कुमार तिवारी ने बताया कि कुछ कार्डधारकों ने शिकायत की थी कि कोटेदार द्वारा वितरण में अनियमितता की गई है। कई कार्डधारकों को एक ही नंबर की ओटीपी के जरिए खाद्यान्न दिया गया है। बताया कि जब इस मामले की जांच कराई गई तो पता चला कि कई कार्डधारकों के पास मोबाइल मौके पर नहीं होने के कारण प्राक्सी आधार पर वितरण के मामले में कोटेदार ने अपना नंबर दर्ज किया। उसी से ओटीपी निकालकर खाद्यान्न दिया गया। जब इसी को आधार मानकर कार्डधारकों से पूछताछ कराई गई तो पता चला कि कई ऐसे कार्डधारक हैं, जिनको खाद्यान्न मिला ही नहीं और उनके नाम पर राशन उठ गया। ऐसी स्थिति में आरोप तय होने पर कोतवाली राबर्ट्सगंज में मुकदमा दर्ज करा दिया गया।

मोदी राज में किसानों की आय तो नहीं लागत और मेहनत जरूर दुगनी हो गई: सुखबीर सिंह

बांगरमऊ उन्नाव। पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के नेता सुखबीर सिंह यादव ने पार्टी के गांव–गांव पांव–पांव कार्यक्रम के तहत क्षेत्र भ्रमण के बाद प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि बिल किसान हित में नहीं बल्कि व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए है। केंद्र सरकार को किसान विरोधी तीनों बिल तुरंत वापस लेना चाहिए। नगर के मोहल्ला टेढ़ी बाजार स्थित वरिष्ठ पत्रकार ओम नारायण अग्निहोत्री के आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान सुखबीर सिंह यादव ने कहा कि चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। लेकिन इन छः सालों में किसानों की आय तो दोगुनी नहीं हुई, बल्कि लागत और मेहनत जरूर दोगुनी हो गई। उन्होंने कहा कि अधिक लागत लगने और उपज का मूल्य कम मिलने के कारण किसान पहले से ही परेशान था। केंद्र सरकार ने कृषि विधेयक पास कर किसानों को और ज्यादा परेशानी में डाल दिया। उन्होंने कहा कि जब व्यापारी के पास आलू था, तब उसकी कीमत पचास रुपये किलो थी। अब जब किसान के पास आलू है तो उसकी कीमत दस रुपये प्रति किलो से भी कम रह गई है। श्री यादव ने कहा कि यह बीच का मुनाफा किसके पास जा रहा है, किसान बस इसी लड़ाई लड़ रहे हैं। प्रेस वार्ता के समय रामपाल यादव पूर्व शिक्षक व अंसार खान आदि मौजूद रहे।

राष्ट्र निर्माताओं ने जगाई शिक्षा की आस, गाँव गाँव चल रहे मोहल्ला क्लास

संवाददाता
सोनभद्र। विकासखंड दुद्धी में परिषदीय शिक्षकों ने कोरोना काल में बन्द विद्यालयों का बेहतरीन विकल्प मोहल्ला क्लास के रूप में प्रस्तुत किया है। क्षेत्र के परिषदीय शिक्षक दुर्गम व पिछड़े संबंधित ग्राम में जाकर कहीं पेड़ के नीचे तो कहीं खुले आसमान में शिक्षण कार्य कर रहे हैं इस संबंध में उ0प्रा0वि0 बघाडू के अनुदेशक शिवनाथ व सुभाष यादव ग्राम बघाडू में, प्रा0वि0 घाटपिण्डारी के शिक्षक भोलानाथ संबंधित ग्राम में,प्रा0वि0 बहेराडोल के शिक्षक हृदय नारायण गिरि संबंधित ग्राम में,कंपोजिट स्कूल खोखा के शिक्षक सुबोधकांत वशिष्ठ खोखा में नियमित रूप से मोहल्ला क्लास लेते हुए देखा जा सकता है।सिर्फ यही नहीं ऐसे तमाम शिक्षक और भी हैं जिनके नाम स्थानाभाव से छूट रहे हैं।इस बाबत खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री आलोक कुमार यादव ने कहा कि वंचित व असहाय वर्ग के बच्चों को शिक्षा देना पुनीत कार्य है। कोरोना काल में परिषदीय विद्यालयों में शिक्षण कार्य पर प्रतिबंध लगा हुआ है ऐसे में शिक्षकों ने मोहल्ला क्लास का बेहतरीन विकल्प प्रस्तुत किया ।ऐसे सभी कर्तव्यनिष्ठ शिक्षकों को साधुवाद।साथ ही ऐसे समय जब विद्यालय बन्द चल रहे हैं तब भी शासन के आदेशानुसार शिक्षक विद्यालय कायाकल्प व अन्य कार्य निरन्तर कर रहे हैं।जिन विद्यालयों में कोई समस्या आ रही हो तो संबंधित प्रधानाध्यापक तत्काल बीआरसी पर सूचित करें।वरिष्ठ शिक्षक श्री शैलेश मोहन ने कहा कि कोरोना काल में परिषदीय बच्चों की शिक्षा एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आयी किन्तु परिषदीय शिक्षकों ने इस चुनौती से डटकर मुकाबला किया है।एआरपी श्रवण कुमार,संतोष सिंह,अखिलेश कुमार, ऋषिनारायन यादव,मनोज जायसवाल ने कहा कि आधुनिक परिवेश में परिषदीय विद्यालयों की सूरत बिल्कुल बदल चुकी है।अब ऑनलाइन कार्य,प्रशिक्षण,ऑनलाइन शिक्षण व मोहल्ला क्लास के माध्यम से निरन्तर शिक्षा का प्रवाह बना हुआ है।साथ ही शासन के निर्देशानुसार विद्यालयों के सतत अनुश्रवण भी किये जा रहे हैं।

किसानों से सीधे धान/गन्ना की खरीद की जाए–आलोक टण्डन

रायबरेली। जनपद के नामित नोडल अधिकारीऔधस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन ने अपने तीन दिवसीय भ्रमण के निरीक्षण के दौरान जनपद में धान–गन्ना क्रय केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गंगागंज, हरचन्दपुर, मील एरिया, अमावा सहित शहर गल्ला मण्डी में बनाये गये धान क्रय केन्द्रों का निरीक्षण कर केन्द्र प्रभारी सहित सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों से सीधे धान क्रय किया जाए तथा बिचौलियों के माध्यम से किसी भी प्रकार की खरीदारी पर शिकायत मिलने पर कार्यवाही की जाए। निरीक्षण के दौरान औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन ने गंगागंज व हरचन्दपुर क्षेत्र के धान क्रय केन्द्र पर धान बेचने आये किसानों से संवाद किया तथा उनके आधार आईडी आदि का मिलान रजिस्टर से किया। किसानो जो धान क्रय केन्द्रो पर बेचने आये हुए थे उनका आधार व टोकन रजिस्टर से मिलान किया कुछ किसानों टोकन पुराना नम्बर पा गया व कुछ का आगे का नम्बर तथा जिस पर किसानों ने बताया कि यदि भीड़ नही होती है तब धान क्रय केन्द्र प्रभारियों से अनुरोध कर बेचने का प्रयास किया जाता है। महिला किसान उमा देवी, विद्यादेवी, सत प्रसाद आदि का रेंडम टोकन रजिस्टर से मिलान भी करवाया। इसी प्रकार आयुक्त ने मील एरिया, गल्ला मण्डी स्थित धान क्रय केन्द्रों को निरीक्षण किया उन्होंने केन्द्र प्रभारी व सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसाना से धान क्रय करने के दौरान आधार कार्ड आदि कागजात अवश्य देख लें।

अमेरिकी विश्वविद्यालय सी.एम.एस. छात्रा को 1,46,000 अमेरिकी डालर की स्कालरशिप देगा

संवाददाता
लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) की मेधावी छात्रा तान्या सम्यक को उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफ इवांसविले द्वारा 1,46,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। इस प्रतिभाशाली छात्रा को अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ रोड आईलैंड एवं यूनिवर्सिटी ऑफ लोवा द्वारा 92,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। इस प्रकार, सी.एम.एस. की इस होनहार छात्रा ने अपनी लगन, प्रतिभा व शैक्षणिक उत्कृष्टता के दम पर उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊ का नाम गौरवान्वित किया है। उक्त जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी श्री हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस.

संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस मेधावी छात्रा की उपलब्धि पर बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। श्री शर्मा ने बताया कि वर्ष 2020 में सी.एम.एस. के 90 से अधिक छात्रों ने अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी वर्ष में भी सी.एम.एस. छात्र रिकार्ड संख्या में विदेश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊ का गौरव बढ़ायेंगे। श्री शर्मा ने आगे कहा कि सी.एम.एस. छात्रों के दृष्टिकोण व्यापक बनाने व उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु सदैव प्रयासरत है और इसी कड़ी में छात्रों को भारत में एवं विदेशों में उच्चशिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान कर रहा है। सी.एम.एस. प्रदेश में एकमात्र एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर रहा है। इससे पहले, विदेश में उच्चशिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक प्रदेश के छात्रों को सैट परीक्षा के लिए दिल्ली जाना पड़ता था।

पुलिस मुठभेड में ईनामी बदमाश कल्लू उर्फ मोईन खाँ गिरफ्तार

संवाददाता
शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक एसव आनन्द के निर्देशानुसार जनपद में टॉपटेन व ईनामी बदमाशों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे सघन अभियान के अंतर्गत थाना कटरा पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली। रात्रि में कटरा पुलिस टीम द्वारा मखबिर की सूचना पर ग्राम नहर पुलिया खुदागंज रोड से पुलिस मुठभेड के दौरान थाना कटरा के टॉप 10 व 25000 का ईनामी बदमाश अभियुक्त कल्लू उर्फ मोईन खाँ पुत्र बाबू खाँ उर्फ बाबू लंगड़ा को गिरफ्तार किया। बदमाश के कब्जे से एक अदद तमंचा 315 बोर मय 01 खोखा तथा 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया। अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुये न्यायालय के समक्ष पेश कर उसे जेल भेज दिया गया। उक्त अभियुक्त एक कुख्यात बदमाश है। इसके द्वारा लूट चोरी हत्या का प्रयास व पशुओं की चोरी तस्करी आदि जैसे संगीन अपराध किये गये है। उक्त बदमाश अपने पास अवैध असलहा भी रखता है तथा पुलिस को देखते ही फायर करता है तथा जनता में इसका भय व्याप्त था। उक्त बदमाश एक पशु चोरी तस्कर गैंग का सदस्य है तथा इसके द्वारा थाना जलालाबाद क्षेत्र मे पुलिस पार्टी पर फायरिंग भी की गयी थी। थाना जलालाबाद मे कई दिनो से वांछित चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर द्वारा 25000 का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में व.उ.नि. सन्तोष कुमार, हे.का. प्रमोद कुमार, का.निर्मल सिह, प्रभात, नितिन तोमर मौजूद रहे।

घर से फरार दो नाबालिक किशोरियों को पुलिस ने दबोचा, एक युवक गिरफ्तार, दूसरा फरार

संवाददाता
शाहजहांपुर। रोजा थाना क्षेत्र से शुक्रवार को घर से अचानक लापता हुई दूर नाबालिक बच्चों को बरामद कर लिया है। उनके साथ एक युवक को भी गिरफ्तार किया है। जबकि एक उसका साथी फरार हो गया है इसकी की सूचना मिलते ही हिंदू संगठन के तमाम कार्यकर्ता थाने पहुंचकर और उन्होंने जमकर हंगामा करा हिंदू संगठन के नेताओं का आरोप है कि पुलिस मामले को दबाने का प्रयास कर रही थी और रिपोर्ट नहीं दर्ज कर रही थी फिलहाल पुलिस ने पासपोर्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की दो नाबालिग बच्चियां शुक्रवार को अचानक अपने घर से लापता हो गई थी। परिवार वालों ने काफी तलाश की लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। मामला थाने तक पहुंचा। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर दोनों नाबालिग लड़कियों की तलाश शुरू कर दी थी, आज शाम को पुलिस को सूचना मिली कि दो लड़कियां हरदोई मार्ग पर कहीं जाने की तलाश में है और उनके साथ दो युवक भी है। पुलिस ने आनन–फानन में दोनों किशोरियों को दबोच लिया साथ में एक युवक साबान को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जबकि दूसरा युवक तस्लीम मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना जैसे ही हिंदू संगठन को मिली वे भी मौके पर पहुंच गए और थाने में लव जिहाद का मामला दर्ज करने का दबाव बनाने लगे। लेकिन पुलिस ने लव जिहाद की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। पुलिस का कहना है कि लड़कियों की बयान के बाद ही धाराएं बढ़ाई जा सकती है। फिलहाल पुलिस ने पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और बरामद दोनों लड़कियों को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

समोसा न खिलाने से क्षुब्ध युवक ने युवक को पीटकर किया घायल, पुलिस को दी तहरीर

संवाददाता
पीलीभीत बीसलपुर। समोसा न खिलाने से क्षुब्ध युवक ने युवक को पीटकर घायल कर दिया। मामले की तहरीर कोतवाली पुलिस को दे दी गई है।

बीसलपुर के मोहल्ला ग्यासपुर निवासी मो0 शैफ पुत्र मो0 लईक से मोहल्ले के ही अकील ने समोसा खाने के लिए मांगे जिस पर उसने समोसा खिलाने से साफ इनकार कर दिया। इसी बात से अकील क्षुब्ध हो गया और शैफ को लोहे की राड से पीटना शुरू कर दिया। जिससे राड शैफ के सिर पर जा लगी। जिससे वह लहूलुहान हो गया। घायल को नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की तहरीर कोतवाली पुलिस को दे दी गई है। पुलिस ने तहरीर मिलते ही कार्यवाही शुरू कर दी है।

बरनवाल समाज ने मनाई महाराजा अहिबरन की जयंती

संवाददाता

सुल्तानपुर। अपना बरनवाल परिवार के तत्वावधान में शनिवार को महाराजा अहिबरन की जयंती पं. श्रीपति मिश्र महाविद्यालय में धूमधाम के साथ मनाई गई। महाराजा के जयकारों का उद्घोष करते हुए समाज की एकजुटता और तरक्की पर बल दिया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश बरनवाल समिति के अध्यक्ष श्रीकांत बरनवाल ने कहा कि समाज को अपने पूर्वजों के किए गए कार्य और विचार का अनुसरण करना चाहिए। ताकि समाज में व्याप्त भिन्नता और कुरीतियों को दूर किया जा सके। विशिष्ट अतिथि जनपदीय बरनवाल समिति के अध्यक्ष विभव बरनवाल ने कहा कि महाराजा अहिबरन वैश्य समाज के पुरोधा थे। बुलंदशहर में ही महाराजा अहिबरन का राज्य था। विशिष्ट अतिथि जनपदीय बरनवाल समिति महामंत्री शशि बरनवाल ने समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के साथ महिला सशक्तीकरण की बात कही। कार्यक्रम से पूर्व आद्रिका बरनवाल, खुशी बरनवाल व विधी बरनवाल ने अहिबरन वंदना प्रस्तुत की। आयोजक अरुण बरनवाल, सुधीर बरनवाल, श्रवण बरनवाल, शीलेश बरनवाल व रविप्रकाश बरनवाल ने कार्यक्रम में शामिल बच्चों को पुरस्कार प्रदान किया। इस मौके पर भोलानाथ बरनवाल, डॉ. वेदप्रकाश बरनवाल, डॉ.विकास बरनवाल, डायट प्रवक्ता सुनील बरनवाल, डॉ. कमलेश बरनवाल, चंदन बरनवाल, दीपक बरनवाल, डॉ. जयप्रकाश बरनवाल समेत समाज के तमाम लोग मौजूद रहे। बरनवाल सेवा समिति के तत्वावधान में शनिवार की देर रात महाराजा अहिबरन की जयंती मनाई गई। कस्बे के दियरा रोड पर एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अहिबरन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। समिति के अध्यक्ष राजेश बरनवाल ने संरक्षक जवाहरलाल बरनवाल, राधेश्याम बरनवाल, राम प्रदोष बरनवाल व बजरंगी बरनवाल को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। बेटियों ने बेटी बचाओ–बेटी पढाध्ओ का संदेश सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से दिया। बच्चों को उनकी प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने मौजूदा समय में समाज की एकजुटता पर जोर दिया।

एसई ने किया नहर कटान स्थल का निरीक्षण

संवाददाता

सुल्तानपुर। क्षेत्र के नूरपुर माइनर में शनिचरा गांव के पास हुई कटान का निरीक्षण करने शनिवार को सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता पहुंचे। अधीक्षण अभियंता ने किसानों से नुकसान के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण में विभिन्न खामियां मिलने पर एसडीओ समेत अन्य अभियंताओं को फटकार लगाई। पिछले दिनों जिले में अलग–अलग स्थानों पर नहरों में कटान हो गई थी। इससे सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न हो गई थी। इस मामले में सिंचाई खंड के अधिशासी अभियंता समेत सात कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए अधीक्षण अभियंता ने संस्तुति की थी। धम्मौर क्षेत्र के नूरपुर माइनर में शनिचरा गांव के पास पिछले 20 दिसंबर को कटान हुई थी। ग्रामीणों की शिकायत पर मामले की जांच करने शनिवार को सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता आरके जैन पहुंचे।

उन्होंने कटान स्थल का निरीक्षण करते हुए एसडीओ शिवराम समेत अन्य अधिकारियों से पूछताछ की। इसी बीच बड़ी संख्या में किसान भी वहां पहुंच गए। किसानों ने अधीक्षण अभियंता को कई खामियों के बारे में जानकारी दी। किसानों ने बताया कि नहर के पास से ही सिंचाई खंड–49 की रमैयापुर ड्रेन गुजरी है। इसकी सिल्ट सफाई कभी नहीं कराई जाती। इसके अलावा भी अन्य कार्यों में हीलाहवाली का मामला उठाया गया। इस पर एसडीओ समेत अन्य अभियंताओं को कड़ी फटकार लगाते हुए अधीक्षण अभियंता ने व्यवस्था में सुधार का निर्देश भी दिया। अधीक्षण अभियंता ने किसानों के हुए नुकसान के बारे में भी जानकारी ली। कटान स्थल को बंधवाने समेत अन्य कार्यों में सुधार करने का निर्देश भी दिया गया। इस मौके पर अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड योगेश कुमार, सहायक अभियंता शिवराम, अवर अभियंता शिवानी सिंह, किसान ओम प्रकाश सिंह, विजय कुमार सिंह, महेश सिंह समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

4.64 करोड़ रुपये से छात्र-छात्राओं को मिलेगा स्कूल बैग

संवाददाता

सुल्तानपुर। जिले के परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालय, सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूल, एडेड इंटर कॉलेज तथा राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा एक से आठ के छात्र–छात्राओं को प्रदेश सरकार स्कूल बैग मुहैया कराएगी। इसके लिए जिले को चार करोड़ 64 लाख 53 हजार 76 रुपये आवंटित किया गया है। इस धनराशि से 2,60,987 बच्चों को स्कूल बैग मिलेगा। कोरोना की वजह से विद्यालयों में बच्चों की आवाजाही भले न रही हो लेकिन प्रदेश सरकार बच्चों को स्कूल से मिलने वाली सारी सुविधाएं मुहैया करा रही है। चाहे वह किताब कॉपी हो, ड्रेस और स्वेटर हो अथवा जूते मोजे हों। अब शासन ने परिषदीय प्राथमिक विद्यालय, जूनियर हाई स्कूलों, सहायता प्राप्त विद्यालयों, राजकीय विद्यालयों व इंटर कॉलेजों में अध

ययनरत कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों को स्कूल बैग मुहैया कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए चार करोड़ 64 लाख 53 हजार 76 रुपये आवंटित किया गया है। इस धनराशि से 2,60,987 बच्चों को स्कूल बैग मिलेगा। स्कूल बैग दो साइजों में उपलब्ध कराया जाएगा। मीडियम व लार्ज साइज में स्कूल बैग बच्चों में वितरित कराए जाएंगे। स्कूल बैग वितरण के लिए ब्लॉक स्तर पर खंड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में टीम सत्यापन करेगी। नगर क्षेत्र में नगर शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में सत्यापन कमेटी बनेगी। जिला स्तर पर बीएसए खुद नोडल अधिकारी के रूप में काम करेंगे।

स्कूल बैग आपूर्ति के बाद उसका सत्यापन कराया जाएगा। खंड शिक्षा अधिकारीध्नगर शिक्षा अधिकारी को प्रतिदिन स्टॉक रजिस्टर प्रति हस्ताक्षरित करना होगा। सत्यापन के बाद स्कूल बैग को बच्चों में वितरित करने के लिए विद्यालयों को भेजा जाएगा। सत्यापन रिपोर्ट व प्राप्ति रसीद के बाद ही आपूर्तिकर्ता फर्म को भुगतान किया जाएगा। परिषदीय व सहायता प्राप्त विद्यालयों के बच्चों को मिलने वाला स्कूल बैग लगभग 178 रुपये का पड़ेगा। टेंडर के मुताबिक 177.99 रुपये प्रति बैग की दर फाइनल हुई है। गाजियाबाद की विनिश्मा टेक्नोलॉजिज प्राइवेट लिमिटेड को बैग आपूर्ति का जिम्मा सौंपा गया है।

अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने को विवश हैं किसान

संवाददाता

सुल्तानपुर। सरकार किसानों की समस्या को लेकर उदासीन है। सरकार की नीतियों की वजह से किसान अपनी उपज औने–पौने दामों पर बेचने को विवश हैं। हाल ही मे लाए गए तीनों कृषि कानून किसानों के हित में नहीं हैं। ये बातें एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह ने कहीं। वे विकासखंड दूबेपुर की ग्राम सभा कटावां में कृषि कानूनों के विरोध में आयोजित गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के आह्वान पर आयोजित गोष्ठी में उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार किसानों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है। सरकार की नीतियों के वजह से अन्नदाता को उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। कड़ाके की सर्दी में किसान आंदोलन करने को विवश है। सरकार किसानों की मांगों को लेकर बेरहम बनी है। भाजपा ने अपने चुनावी एजेंडे में सरकार बनने पर किसान आयोग के गठन का वादा किया था। सरकार बनने के बाद किसान आयोग के गठन की बात तो दूर वह किसानों के मान–सम्मान को भी गिरवी रखना चाहती है। केंद्र और प्रदेश की सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने में विफल साबित हुई है। गोष्ठी को पूर्व जिला पंचायत सदस्य ज्ञान प्रकाश यादव, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य श्याम बहादुर सिंह ने भी संबोधित किया। इस मौके पर तमाम किसान मौजूद रहे। देर शाम सपा मुखिया अखिलेश यादव के आह्वान व एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह की प्रेरणा से ग्राम सभा अहिमाने के ग्राम प्रधान अविनाश मिश्रा के नेतृत्व में किसान आंदोलन के समर्थन में अलाव जलवाया गया। एमएलसी ने बताया कि कृषि कानूनों के विरोध में समाजवादी पार्टी की यह सकारात्मक पहल है। गांवों में अलाव जलवाकर ग्रामीणों को कृषि कानूनों से होने वाले नुकसान से अवगत कराया जाएगा।

सड़क हादसे में घायल दो युवकों की मौत

संवाददाता

सुल्तानपुर। अंगनाकोल के पास ट्रैक्टर की टक्कर से घायल अहमद और लड्डन ने रविवार को ट्रॉमा सेंटर लखनऊ में दम तोड़ दिया। एक साथ दो युवकों की मौत से चांदपुर सैदोपट्टी गांव में कोहराम मचा है। दोनों युवकों के घर वालों का रो–रोकर बुरा हाल है। गोसाईगंज थाना क्षेत्र के चांदपुर सैदोपट्टी गांव निवासी जुबेर का बेटा अहमद (20) और गांव के ही सिकंदर का बेटा लड्डन (21) शनिवार को सुल्तानपुर शहर बाइक से गए थे। दोनों दोपहर बाद बाइक से घर लौट रहे थे कि अंगनाकोल के पास ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी थी। परिवारीजन दोनों युवकों को लेकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचे थे। रविवार को उपचार के दौरान अहमद और लड्डन की मौत हो गई। एक साथ दो युवकों की मौत की सूचना गांव पहुंची तो कोहराम मच गया। चांदपुर सैदोपट्टी गांव निवासी जुबेर के परिवार में पत्नी के साथ ही दो बेटे हैं। सबसे बड़ा बेटा आरिफ है और सबसे छोटा बेटा अहमद था। अहमद की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। चांदपुर सैदोपट्टी गांव निवासी सिकंदर के परिवार में पत्नी के साथ ही दो बेटे हैं। बड़ा बेटा महताब है और छोटा बेटा लड्डन था। लड्डन की मौत से परिवार में मातम है। लड्डन पूरे परिवार का लाडला था।

नवसृजित नगर पंचायत लंभुआ में शुरू हुआ कामकाज

संवाददाता

सुल्तानपुर। कस्बे समेत 11 ग्राम पंचायतों में विकास कार्य अब नगर पंचायत के जरिए होंगे। ग्राम प्रधान का कार्यकाल खत्म होने के बाद अब नगर पंचायत ने विधिवत काम करना शुरू कर दिया है। विधायक प्रतिनिधि ने नगर पंचायत के कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। नवसृजित नगर पंचायत लंभुआ में कामकाज शुरू होने को लेकर लोग संशय में थे। शनिवार को नगर पंचायत की अधिशाषी अधिकारी आरती श्रीवास्तव ने तहसील के आवासीय भवन में एसडीएम आवास पर नगर पंचायत का दफ्तर शुरू कराया। विधायक प्रतिनिधि चिंतामणि द्विवेदी ने उद्घाटन अवसर पर कहा कि अब सात पूर्ण व चार आंशिक गांवों में विकास की प्रक्रिया और तेज हो जाएगी। नगरीय योजनाओं का लाभ भी लोगों को मिलना शुरू हो जाएगा। अधिशाषी अधिकारी आरती श्रीवास्तव ने कहा कि जल्द ही पूरे नगर पंचायत क्षेत्र में कार्यों का आकलन किया जाएगा। प्राथमिकता के आधार पर जरूरी कार्यों को पहले कराया जाएगा ताकि लोगों को सफाई व सरकारी योजनाओं का लाभ जल्द मिले। इस मौके पर प्रदीप द्विवेदी, संजीव पांडेय, विजय मिश्र, विनय समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

भाजपा युवा मोर्चा जिला महामंत्री के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग

फर्रुखाबाद। भाजपा युवा मोर्चा जिला महामंत्री के घर के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी गयी। जिसके बाद जाँच करने पंहुची पुलिस नें एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। घटना के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी है। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खतराना निवासी युवा मोर्चा के जिला महामंत्री अंकुर मिश्रा नें बताया कि दोपहर में चाचा के बेटे से विवाद हो गया था। जिसकी तहरीर शाम को पुलिस को दी थी। तहरीर देंने की भनक लगते ही कई लोग लाठी–डंडो और तमंचों से लैस होकर आ गये। उन्होंने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जिससे हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर कोतवाल वेदप्रकाश पाण्डेय, तिकोना चौकी इंचार्ज दीपक त्रिवेदी मौके पर फोर्स के साथ आ गये। उन्होंने जाँच पड़ताल की। जाँच के दौरान घर के निकट एक संदिग्ध युवक खड़ा मिला उसे पुलिस नें दबोच कर कोतवाली भेज दिया। घटना के सम्बन्ध में पुलिस जाँच में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश पाण्डेय नें बताया जाँच की जा रही। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जायेगा।

कड़ाके की ठंड में गरीबों की मदद को बढ़े हाथ

संवाददाता

फर्रुखाबाद। जिले में पड़ रही कड़ाके की ठंड गरीबों पर भारी पड़ रही है। इसी बीच गरीब असहायों की मदद के लिए प्रशासन के साथ ही अब समाजसेवी भी मदद का हाथ बढ़ाने लगे हैं। श्री महाराज जी सेवा फाउंडेशन के द्वारा ठिठुर कर रातें गुजर रहे गरीब व वृद्धजनों के बीच कंबल का वितरण किया। जिससे वृद्धजन फूले नही समायें।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सकवाई में पंहुचे संगठन के पदाधिकारियों नें कुल 58 ग्रामीणों को कंबल वितरण किया। इसके बाद उनके हाल–चल लिये। अध्यक्ष प्रदीप दीक्षित, कानपुर व्यापारी मोटर पार्ट्स उपाध्यक्ष केदार शाह, फर्रुखाबाद सचिव पंकज पाठक, नगला बाग रिठौरा सदस्य नरेंद्र सिंह इंटर कॉलेज कन्नौज के अध्यापक सुनील मिश्रा, उदित अग्रवाल, रत्नेश मिश्रा आदि रहे।

तालाब में डूबने से गाय की मौत

संवाददाता

सुल्तानपुर। रामपुर अमेठा गांव में कुछ लोगों ने तीन गायें छुट्टा खोल दी थीं। तीनों गायें घूमते–घूमते तालाब में गिरकर डूबने लगी। ग्रामीणों के प्रयास से दो गायों को बचा लिया गया लेकिन एक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। रविवार को रामपुर अमेठा गांव में कुछ लोगों ने तीन गायें छोड़ दी थीं। तीन गायों के तालाब में गिरने की सूचना मिलते ही उन्हें बचाने का प्रयास गांव के ही अजय सिंह, अजय विक्रम सिंह, हर्षवर्धन की ओर से शुरू किया गया। तमाम कोशिशों के बाद दो गायों को तालाब से निकालने में कामयाबी मिल गई। गांव के ग्रामीणों ने गाय के तालाब में गिरने की सूचना जिलाधिकारी कार्यालय को दी। सूचना पर अधिकारी गांव पहुंचे। मौके पर पहुंचे बीडीओ ने ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सेन्ट्रल जेल में प्रति नियुक्ति को 73 पीएसी कर्मियों की सहमति

फर्रुखाबाद। सेन्ट्रल जेल जल्द ही सुरक्षा कर्मियों की कमी अब दूर होगी। पीएसी कर्मियों को कारागारों पर दो साल प्रति नियुक्ति पर तैनात करने की तैयारी तेज है। इसके साथ ही कुल 73 पीएसी कर्मियों नें जेल में प्रति नियुक्ति पर सहमति बन गई है। कारागायों में क्षमता से अधिक कैदी निरुद्ध हैं। लिहाजा मौजूदा कर्मियों पर सुरक्षा का भार लगातार बढ़ता जा रहा है। कारागार विभाग ने शासन से इस समस्या के निदान का अनुरोध किया था। इस प्रस्ताव पर शासन ने पीएसी के जवानों को दो वर्ष की प्रति नियुक्ति पर जेलों की सुरक्षा में भेजने पर सहमति प्रदान बन गयी। जिसके चलते जनपद की सेन्ट्रल जेल में प्रति नियुक्ति पाने को 73 प्रांतीय सशस्त्र बल (पीएसी) के जबानों नें कारागर को सहमति बन गयी है। सेन्ट्रल जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक एचएसएम रिजवी नें बताया कि कुल 73 जवानों नें सहमति है। जिनकी तैंनाती प्रक्रिया में है। इससे बंदी रक्षकों से सुरक्षा का भर कुछ कम होगा।

डीआईजी देवीपाटन मण्डल ने जिले के अधिकारियों के साथ की बैठक

संवाददाता

बहराइच। किसान आन्दोलन के दृष्टिगत कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से शासन द्वारा नामित पुलिस नोडल अधिकारी डी.आई.जी. देवीपाटन मण्डल डॉ. राकेश कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के आला प्रशासनिक, पुलिस व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक के दौरान डी.आई.जी. डॉ. सिंह ने वर्तमान में कोविड–19 महामारी के नये स्ट्रेन खतरे के दृष्टिगत ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में लोगों को निरन्तर जागरूक करने के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन से इस बात की भी अपील की जाय कि लोग अनिवार्य रूप से मास्क एवं सेनेटाइजर का उपयोग करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पैदल गश्त के दौरान बाजारों में प्रतिष्ठान मालिकों से कोविड–19 का पालन करने व अनावश्यक भीड़–भाड़ एकत्रित न होने हेतु निर्देशित किया जाय। डी.आई.जी. डॉ. सिंह ने कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से सभी सम्बन्धित अधिकारियों को धारा–144 का अनुपालन कराये जाने का भी निर्देश दिया। डी.आई.जी. डॉ. सिंह ने जिले के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने तथा कोविड–19 की रोकथाम के लिए आमजन द्वारा मास्क एवं सेनेटाइजर का उपयोग करने हेतु धर्मगुरूओं एवं प्रभावशाली व्यक्तियों से भी संवाद स्थापित कर उनका सहयोग भी प्राप्त किया जाय। डॉ. सिंह ने राजस्व, पुलिस व अन्य विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र का भ्रमण करते समय आमजन व किसानों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का निस्तारण कराने का प्रयास किया जाय।इस अवसर पर जिलाधिकारी शम्भु कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी प्रदीप कुमार यादव, अपर पुलिस अधीक्षक नगर कुँवर ज्ञानन्जय सिंह व ग्रामीण के अशोक कुमार, नगर मजिस्ट्रेट अनिल कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी सदर सौरभ गंगवार आई.ए.एस., नानपारा के सूरज पटेल आई.ए.एस., कैसरगंज के महेश कुमार कैथल, पयागपुर के कीर्ति प्रकाश भारती, महसी के एस. एन. त्रिपाठी, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर टी.एन. दुबे, नानपारा डॉ. जंग बहादुर यादव, कैसरगंज के शंकर प्रसाद, पयागपुर के नरेश सिंह, मिहींपुरवा के कमलेश कुमार सिंह, एल.आई.यू. इंस्पेक्टर सुमित दुबे, उप निदेशक कृषि डॉ. आर.के. सिंह, डिप्टी आर.एम.ओ. संजीव कुमार सिंह, जिला गन्ना अधिकारी शैलेश कुमार मौर्य सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

समय से गन्ना मूल्य का भुगतान करें चीनी मिले : डीएम

संवाददाता

बहराइच। जिलाधिकारी शिविर कार्यालय पर आयोजित बैठक के दौरान गन्ना भुगतान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी शम्भु कुमार जिले की चारों चीनी मिलों को निर्देश दिया है कि गन्ना मूल्य का भुगतान समय से किसानों कों किया जाय अन्यथा सम्बन्धित चीनी मिलों के विरूद्ध विधिक कार्यवाही की जायेगी। चिलवरिया चीनी मिल द्वारा गन्ना भुगतान की स्थिति संतोषजनक न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला गन्ना अधिकारी को निर्देश दिया कि चीनी मिल को नोटिस जारी करें। बैठक के दौरान गन्ना क्रय केन्द्रों का निरीक्षण तथा गन्ना ढुलाई में उपयोग में लाये जाने वाले वाहनो एवं ट्रालियों पर रिफ्लेक्टर स्थापना पर भी विस्तृत चर्चा की गयी। श्री कुमार ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि जॉच दल गठित कर गन्ना क्रय केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण कराया जाय तथा चीनी मिल यार्ड में अलाव, शौचालय साफ–सफाई, पेयजल व गन्ना किसानों के रूकने आदि की भी

समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाय। ताकि गन्ना किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो। कोहरे के दृष्टिगत सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से श्री कुमार चीनी मिलों को निर्देश दिया कि चीनी परिसर आने वाले सभी वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर जिला गन्नाधिकारी शैलेश कुमार मौर्य, यूनिट हेड चिलवरिया पी.एन. सिंह, पारले से जी.एम. जगतार सिंह, यूनिट हेड जरवल अरूण कुमार भाटी, सहकारी चीनी मिल नानपारा के जीएम प्रदीप त्रिपाठी एवं सभी गन्ना विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मिहींपुरवा में आयोजित हुई परिषदीय शिक्षको की ब्लाक स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक

संवाददाता

बहराइच। विकास खण्ड मिहींपुरवा के बीआरसी कार्यालय मिहींपुरवा पर कोविड19 की गाइडलाइन्स का पालन करते हुये ब्लाक के सभी परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एंव समस्त शिक्षक संकुल की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बीआरसी सभागार में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता खण्ड शिक्षा अधिकारी आशीष सिंह ने की। बैठक में मौजूद शिक्षको को बीईओ ने मिशन प्रेरणा की फेज दो की प्रगति, विद्यालयों में संचालित ऑनलाइन कक्षाओं, दीक्षा एप्प, रीड ऐलांग, दूरदर्शन पर प्रसारित शैक्षिक प्रोग्राम के बारे में अभिभावकों को जागरूक करने को कहा। बैठक में मौजूद शिक्षको से वार्ता के दौरान बीईओ मिहींपुरवा ने मिशन प्रेरणा के सफल क्रियान्वयन हेतु विभाग की ओर से उपलब्ध कराई गई शिक्षक संवर्धन संदर्शिका एवं माड्यूल के अध्ययन के बारे में जानकारी ली साथ ही

प्रत्येक शिक्षक को ईच वन रीच टेन आदेश के अनुपालन में 10–10 अभिभावकों के मोबाइल में दीक्षा एप की प्रोफाइल बनाना व रीड एलांग ऐप डाउन लोड कराने के लिए भी कहा गया। प्रेरक विद्यालय बनाने हेतु आने वाली कठिनाइयों , केपीआई, पाठ्योजना निर्माण , शिक्षक डायरी भरने की विधि, प्रेरणा लक्ष्य, प्रेरणा तालिका, प्रेरणा सूची, आधारशिला, ध्यानाकर्षण, शिक्षण संग्रह,के साथ ही साथ प्रेरणा उत्सव के तहत 100 कार्यदिवस रिमीडियल कक्षाएँ संचालन कर अंतिम आकलन के बाद बच्चों की एक्सीलेटेड लर्निंग, त्वरित शिक्षा पर जोर देने की बात भी कही गयी। बैठक के अंत में सभी शिक्षकों से कम्पोजिट ग्रांट का नियमानुसार व्यय करने एवं समस्त विद्यालय में विद्युतीकरण, बाला पेंटिंग एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। इस मौके पर वरिष्ठ शिक्षक खलीक अहमद, मिथलेश कुमार, सुनील कुमार, जगतार सिंह, विजयशंकर, वीरेंद्र सिंह, गिरीश राम, मामून रशीद, नागेंद्र भगत, धर्मेंद्र गौतम, ऋतु सिंह, सालिहा रियाज, अनुराधा त्रिपाठी, दिव्या चौधरी समेत काफी शिक्षक शिक्षिकायें मौजूद रहे।

एस पी रायबरेली श्लोक कुमार ने नसीराबाद थाने मे बना नवनिर्मित आगंतुक कक्ष का किया उद्घाटन

संवाददाता
नसीराबाद, रायबरेली।नसीराबाद थाने में नव निर्मित आगंतुक कक्ष का पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने फीता काट कर उद्घाटन किया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने थाने में कंप्यूटर कक्ष कंप्यूटर के रखरखाव, निर्माणधीन महिला आवास, महिला हेल्पलाइन, आगंतुक रजिस्टर,कोविड 19 ,मालखाने में माल के रखरखाव का बारीकी निरीक्षण किया और थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे,सीसीटीएसध आईजीआरएस , पोर्टल कार्यालय के अभिलेखों की भी समीक्षा की।साथ ही थाना परिसर, भोजनालय,हवालात ,बैरिकों की साफ–सफाई की जांच की और समुचित दिशा निर्देश दिए एसपी ने नसीराबाद थाने के समस्त कर्मचारियों की समस्याओं पर उसे त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने विशेष तौर पर महिला संबंधी अपराध पर मातहतों को त्वरित व निष्पक्ष कार्यवाही के निर्देश दिए। रविवार को पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने थाना परिसर में नव निर्मित आगंतुक कक्ष का फीता काटकर उद्घाटन किया।उसके बाद पुलिस अधीक्षक ने महिला हेल्पलाइन में फरियादियों का रजिस्टर देखा। उसमें से एक पीड़िता का सलोन सीओ राजकिशोर सिंह से फोन मिलाकर समस्या। के निपटारे के बारे में। पुंछा तो पीड़िता का फोन नहीं उठा तब पुलिस अधीक्षक ने उसकी फरियाद को जल्द से जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष श्रीराम पांडेय से कहा कि थाने में आने वाले फरियादियों के साथ मित्र जैसा व्यवहार करें। फरियादियों की तत्काल सुनवाई हो। पुलिस अधीक्षक ने कक्ष,मालखाना,हवालात, कम्प्यूटर कक्ष तथा थाने में बन आवासीय बैरक देखा।छत की रेलिंग टूटी होने पर तत्काल सही कराने को कहा।इस मौके पर दरोगा पुरुषोत्तम, नरेंद्र सिंह , संजय कुमार पाठक ,चेयरमैन प्रतिनिधि मो हारुन आदि मौजूद थे।

वालीदैन की खिदमतगुजारी से मिलती है माबूद ए इलाही से तरक्की की राह (मौलाना शहनशाह हुसैन)

संवाददाता
प्रयागराज। कोई भी धर्म हो उसमे अपने वालीदैन की इज्जत और बेहतरीन खिदमतगुजारी की ताकीद की जाती है।अगर परवरिश करने वाले माँ या बाप की तौहीन और खिदमतगुजारी में जरा भी कोताही की तो उसकी दूनिया व आखरत दोनो खराब हो जाती है।दरगाह हजरत अब्बास दरियाबाद में स्व सै०कमर अब्बास की बरसी की मजलिस को सम्बोधित करते हुए छत्तिसगढ़ से आए मौलाना शहनशाह हुसैन ने वालीदैन के लिए उनके बच्चो के लिए मजहबे इसलाम मे क्या क्या फराएज हैं इस पर तफसीली तकरीर करते हुए वालिदैन की अजमत बयान की।कहा दूनिया का कोई भी मजहब हो सब मे अपने परवरिश कर्दा के लिए हुसने सलूक से पेश आने की ताकीद की गई है। मौलाना के खिताब से पहले मंजरुल हिन्दी ने सोज व सलाम से माहौल को संजीदा बना दिया।डॉ कमर आब्दी व वसीम रिजवी ने पेशख्वानी के जरीये करबला के मजालिम का जिक्र किया।अन्जुमन नकविया ने नौहा और मातम का नजराना पेश किया।वहीं औरतों की मजलिस को शाहिदा कमर साहिबा ने खिताब किया।करैली के यूनिटी कालेज में सै०कल्बे हैदर रिजवी के चालीसवें की मजलिस को मौलाना व डॉक्टर रिजवान हैदर ने खिताब किया नसीमुल हसन ने सोजख्वानी तो नायाब बलयावी व जमीर इलाहाबादी ने पेशख्वानी के फराएज अन्जाम दिए।अन्जुमन गुन्चा ए कासिमया के नौहाख्वान शादाब जमन ने पुरदर्द नौहा पढ़ा।मजलिस में मरहूमीन के लिए जहाँ दुआ ए मगफिरत की गई वहीं कोरोना महामारी से निजात,देश मे अमनो अमान,रिज्क मे बरकत और तमाम लोगो की सेहतयाबी और सलामती की दूआ की गई।इस मौके पर मंजर कर्रार,हसन नकवी,बाकर नकवी,सै०मो०अस्करी,कमरुल हसन रिजवी,जामिन हसन,नजीर अब्बास,बशीर अब्बास,जहीर अब्बास,कमर आब्दी,रिजवान जव्वादी,जावेद रिजवी,सै०मेंहदी हसन आब्दी,शबीह अब्बास जाफरी,अस्करी अब्बास,कामरान रिजवी आदि शामिल रहे।

सड़क की दशा खराब होने से लोगों को आवागमन में असुविधा

संवाददाता
प्रयागराज। रीवा रोड मामा भांजा के तालाब से बसवार गांव की तरफ जाने वाली सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिस पर लोगों को पैदल चलना भी कष्ट दाई साबित हो रहा है।
बताया जाता है कि रीवा रोड मामा भांजा तालाब से बसवार की तरफ जाने वाली सड़क की दशा काफी खराब हो गई है ,इस पर जगह–जगह बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं, डामर का तो कहीं अता–पता नहीं रह गया है! इस गड्ढेयुक्त सड़कों पर दुपहिया वाहन चालकों का तो चलना दूर रहा पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।
मालूम हो कि इसी सड़क से होकर धनुआ ,मुरली कोट ,मोहब्बत गंज, ठाकुरी का पूरा, सहाय का पूरा समेत कई गांव के लोगों का आना–जाना चौबीसों घंटा बराबर बना रहता है। यही नहीं इसी रोड पर नगर निगम का कचरा गोदाम भी है। जहां पर सुबह से शाम तक ट्रकों की आवाजाही बनी रहती है। बावजूद इसके विभागीय अधिकारियों के द्वारा इस सड़क की घोर उपेक्षा की जा रही है।
क्षेत्रीय लोगों ने विभागीय उच्च अधिकारियों का ध्यान इस तरफ आकर्षित कराते हुए उक्त सड़क की दुर्दशा को अविलंब सुधरवाने की मांग की है ।

मानसिक स्वास्थ्य शिविर में दिव्यांगों को उपचार के साथ दिए गए प्रमाणपत्र

संवाददाता
प्रयागराज। एक दिवसीय वृहद मानसिक स्वास्थ्य जन जागरूकता, दिव्यांगता प्रमाणीकरण एवं उपचार हेतु शिविर का आयोजन किया गयास जिसमें जनपद के उरुवा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले सभी मानसिक परेशानी से ग्रस्त व्यक्तियों के उपचार एवं मानसिक दिव्यांगता को प्रमाणीकरण किया गया स जहां उन्हें तत्काल उपचार एवं प्रमाणीकरण की सुविधा दी गई। जिसमें कोरोनावायरस के गाइडलाइन के अंतर्गत सामाजिक दूरी, शारीरिक दूरी एवं अन्य पहलुओं पर भी विशेष ध्यान रखते हुए मानसिक परेशानियों से ग्रस्त मरीजों का निशुल्क उपचार, औषधि वितरण एवं मानसिक रूप से दिव्यांग मरीजों का मनोवैज्ञानिक परीक्षण करते हुए प्रमाण पत्र वितरित किया गया। शिविर में डॉ राकेश कुमार पासवान, श्मनोचिकित्सक परामर्शदाताश ने करीब 90 मरीजों का मानसिक परेशानी का निदान, उपचार कर उन्हें प्रमाणीकरण किया। नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ ईशान्या राज ने 80 लोगों का तुरंत बुद्धि परीक्षण कर मनोवैज्ञानिक परामर्श दीया। जय शंकर पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता उरुवा ब्लॉक के स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पाल ने इस कैंप की सराहना की और भविष्य में क्षेत्र के लोगों के लिए इस तरह के कैंप के आयोजनों की बात की। शिविर में जय शंकर पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता एवं शैलेश कुमार साइकाइट्रिक नर्स ने मानसिक रोगों के विभिन्न प्रकारों के बारे में जानकारी दी, मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के तरीके बताएं तथा दवाई की अहमियत आदि की जानकारी दी ।

किसानों के हक की लड़ाई के लिये जारी रहेगा समाजवादी आंदोलन : इरशाद
सपाईयों ने रूपापुर व औरंगाबाद में लगाई समाजवादी किसान चौपाल

संवाददाता
प्रतापगढ़। सदर विधानसभा के ग्राम सभा रूपापुर व औरंगाबाद में सोमवार को समाजवादी किसान चौपाल लगाकर इस कड़ाके की ठंड से बचाव हेतु जरूरत मंद लोगों को कम्बल वितरण किया गया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष इरशाद सिद्दीकी ने काले कृषि कानून के बारे में किसानों को अवगत कराया गया।उन्होंने कहा कि किसानों के सम्मान एवं हक की लड़ाई के लिए समाजवादी आंदोलन को निरंतर जारी रखेगी। इस दौरान उन्होंने अखिलेश यादव की सरकार में कराए गए विकास कार्यों तथा जनता की भलाई हेतु कार्यक्रमों के बारे में अवगत कराते हुए भाजपा की किसान विरोधी नीति को उजागर करके प्रदेश तथा देश की सत्ता से बाहर करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुषमा पाल, पूर्व ब्लाक प्रमुख शान्ति सिंह, वासिक खान, नरेंद्र पाल एडवोकेट, सद्दाम हुसैन, फारूक खान, निसार अहमद, डा. एजाज, वसीम सिद्दीकी, राजकुमार प्रजापति, अनुज पाल, मीडिया प्रभारी मनीष पाल सहित आदि नेतागण उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्वच्छता ग्राही की गई जान

संवाददाता
प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र के बसमहुआ गांव के सामने शनिवार की देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से बहरिया में तैनात स्वच्छता ग्राही की मौत हो गई। मौके पर पहुंचे पीआरबी पुलिस ने तत्काल सरकारी एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनी ले गई।जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए प्रयागराज भेज दिया।
जानकारी के अनुसार सहसों पुलिस चौकी अंतर्गत कसेरूआ कला गांव निवासी लाल चंद्र बिंद पुत्र स्वर्गीय मातादीन बिंद बहरिया ब्लाक में सफाई कर्मी के पद पर कार्यरत रहे। शनिवार को सायंकाल लगभग 6रू30 बजे बहरिया ब्लाक से वापस लौटते समय थरवई थाना क्षेत्र के सहसों फाफामऊ रोड पर बस महुआ गांव के सामने अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी।जिससे लालचंद के सिर में गंभीर चोट आ गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल सरकारी एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनी ले गई जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। लालचंद दो भाइयों में सबसे बड़े थे। लालचंद की पत्नी सुमित्रा तथा पांच बच्चों का रो रो कर बुरा हाल है।
हेलमेट भी नहीं बचा सका लालचंद रखो
सहसों दुर्घटना में जान गवाने वाले लाल चंद्र बिंद ड्यूटी के पक्के तथा नियम के भी पक्के रहेरूबाइक से बहरिया से वापस लौटते समय उन्होंने हेलमेट भी लगा रखी थी। परंतु होनी को कौन टाल सकता है।सामने से आ रही अज्ञात वाहन की टक्कर इतनी तेज थी कि हेलमेट के परखच्चे उड़ गए और लालचंद के सिर में गंभीर चोट आ गई। जिसके कारण लालचंद की जान चली गई।

अतिक्रमण अभियान में व्यापारियों की आपस में ही मारपीट, व्यापार मंडल का हुआ विरोध

संवाददाता
फर्रुखाबाद। बीते कई दिनों से प्रतीक्षारत शहर का अतिक्रमण अभियान आखिर सोमवार को शुरू हो गया। देखते ही देखते लाल दरवाजे से सुर्ख होते विरोध की आग भीड़ की शक्ल में सड़कों पर आ गयी। व्यापारी पुलिस से तो उलझे ही अपने ही साथियों के साथ मारपीट कर दी। कई जगह पुलिस को लाठी पटक कर उन्हें खदेड़ना पड़ा। सोमवार दोपहर शहर के लाल दरवाजे पर नगर मजिस्ट्रेट अशोक कुमार मौर्य, सीओ राजवीर सिंह और ईओ रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में भारी पुलिस बल के साथ अतिक्रमण शुरू कर दिया। पूर्व में की गयी मुनादी के बाद भी व्यापारियों नें नाली के ऊपर से अतिक्रमण नही हटाया। जिस पर पालिका की दो जेसीबी अतिक्रमण साफ हटाने के जुट गये।नाली के ऊपर से अतिक्रमण और टिन सेड को भी हटाया गया।अतिक्रमण अभियान के चलनें से आक्रोशित हजारों की संख्या में व्यापारी सड़क पर आ गया। आक्रोशित व्यापारियों नें बाजार बंद कर दिया। लाल दरबाजे के व्यापारी दीपक कुमार, टिंकू कटियार, रामजी, मनीष कुमार आदि पुलिस से उलझ गये। नगर मजिस्ट्रेट अशोक कुमार से नोकझोंक की। जिस पर पुलिस नें उन्हें चलता किया। नितगंजा ऊत्तर पानी की टंकी के निकट सेड और खोखे भी हटाये गये। उसी दौरान वहां वहीं पक्की बनी दुकानें हटाने का नम्बर आया तो दुकान मालिक नें अधिकारीयों को अभिलेख दिखाए। लेकिन व्यापारी दीपक आदि इस बात पर अड़ गये कि यदि उनका अतिक्रमण टूटा है तो सभी का टूटना चाहिए। उसी दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष संजीव मिश्रा बॉबी, नगर अध्यक्ष इकलाख खान, बंटी सरदार आदि मौके पर आये और उन्होंने दुकानें नही तोड़नें की बात कही। जिस पर व्यापारी दीपक के साथ एकत्रित भीड़ नें व्यापार मंडल को खरी–खोंटी सुना दी।

उपलब्ध धनराशि से विद्यालयों में शीघ्र कराएं कार्य : एडीओ पंचायत
प्राथमिक विद्यालय बड़नपुर में आयोजित हुई बैठक

संवाददाता
प्रतापगढ़। सगरा संकुल के प्रधानाध्यापकों एवं संकुल शिक्षकों तथा एआरपी की बैठक प्राथमिक विद्यालय बड़नपुर में आयोजित की गई। बैठक में मिशन प्रेरणा के अंतर्गत प्रेरणा लक्ष्यों को शीघ्र प्राप्त करने हेतु गतिविधि आधारित शिक्षण, माड्यूल्स का अध्ययन, शिक्षण योजना एवं टी एल एम का निर्माण के अलावा कायाकल्प योजना के अंतर्गत हुए कार्यों तथा प्रस्तावित कार्यों पर विचार विमर्श हुआ। अतिथियों और उपस्थित जनों का स्वागत प्रधानाध्यापिका सुधा त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एडीओ पंचायत उमेश द्विवेदी ने सभी प्रधानाध्यापकों से उनके विद्यालय में हुए कायाकल्प के संबंध में जानकारी ली तथा प्रस्तावित अन्य कार्यों का प्रार्थना पत्र लिया। उन्होंने कहा कि उपलब्ध धनराशि के सापेक्ष शीघ्र ही विद्यालयों में कार्य कराए जाएंगे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे आलोक मिश्र ने की परफॉर्मेंस इंडीकेटर पर प्रकाश डाला तथा संचालन कर रही संकुल शिक्षिका प्राची पांडे ने बच्चों व शिक्षकों की सकारात्मक मनोदशा हेतु विद्यालय के सौन्दर्यीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। एआरपी नीलम सिंह ने बिल्डिंग ऐज लर्निंग ऐड (बाला) के विषय में सभी को जानकारी दी। एआरपी राजीव सिंह ने शिक्षण योजना बनाने की बारीकियां सिखाई। एआरपी योगेश सिंह ने टी एल एम के महत्व पर प्रकाश डाला। एआरपी शशांक उमरवैश्य ने सभी के प्रश्नों और शंकाओं का समाधान किया। अंत में एआरपी डी के ओझा ने सभी का आभार ज्ञापित किया। सभा में सरोजिनी, सुषमा, मनूबाला, प्रतिभा, रेखा, पुष्पा, मंजुला, वर्षा पाण्डेय और पूनम आदि ने सहभाग किया।

कोतवाली नगर पुलिस ने चोरी के माल सहित 04 नफर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

महोबा। पुलिस अधीक्षक महोबा अरुण कुमार श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक आरके गौतम के पर्यवेक्षण में शातिर अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत थाना प्रभारी वरिष्ठ उपनिरीक्षक आनन्द कुमार द्वारा गठित टीम उप निरीक्षक उपेन्द्र प्रताप सिंह मय हमराहियान के मुखबिर खास की सूचना पर थाना हाजा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 680ध्20 धारा 380 भादवि से सम्बन्धित 04 नफर अभियुक्तगणों को कीरत सागर महोबा से गिरफ्तार किया गया । जिनके कब्जे से मुकदमा उपरोक्त में चोरी गये 02 बोरी मूगफली को बरामद किया गया । बाद आवश्यक कार्यवाही अभियुक्तगणों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

कांग्रेस व भगवा रक्षा वाहिनी के छात्र नेता सहित कई अन्य आप पार्टी में शामिल

संवाददाता
रायबरेली। कांग्रेस के छात्र विंग के पूर्व जिला उपाध्यक्ष गौरव मिश्रा व भगवा रक्षा वाहिनी के जिला अध्यक्ष राजेश्वर प्रताप सिंह, संदीप शुक्ला, राहुल बाजपेई, सहित दर्जनों की संख्या में दूसरी पार्टियों से आए छात्र नेताओं ने आम आदमी पार्टी के छात्र विंग छात्र युवा संघर्ष समिति का दामन थाम लिया है। यह जानकारी आज एक होटल में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी छात्र विंग छात्र युवा संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष अमरेंद्र प्रताप सिंह ने पत्रकारों को दी उन्होंने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि देश में जिस प्रकार छात्रों नव जवानों और किसानों पर वर्तमान सरकार कहर ढा रही है उन लोगों को इंसाफ दिलाने के लिए आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता अब कमर कस चुके हैं और अब छात्रों को और किसानों के साथ अन्याय नहीं सहेंगे इस मौके पर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामू दादा, इंद्रमोहन सिंह, नीरज चौधरी, सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अकादमी बीमर्स ने जीता दोहरा खिताब

संवाददाता
प्रयागराज। अकादमी बीमर्स ने प्रीतम नगर ब्वॉयज को 2–0 से हराकर एबोनी बनर्जी स्मृति अंडर–15 फुटबाल प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा जमाया वहीं अंडर–12 के फाइनल में अकादमी बीमर्स ने एनएफए लूकरगंज को 2–0 से हराया। इलाहाबाद स्पोर्टिंग फुटबाल अकादमी के तत्वावधान में एबीआईसी मैदान पर रविवार को खेले गए खिताबी मुकाबले में विजेता टीम के हसन अली ने पहला और कप्तान सुरेंद्र कुमार दूसरा गोल किया। अंडर–12 आयु वर्ग के फाइनल में विजेता टीम के लिए अरमान और समीर ने गोल किया। कार्यक्रम के अतिथियों बिप्लब् घोष, संजीव चंदा, डॉ. इमरान, डॉ. अजय पाण्डेय, अकरम खान, रविन्द्र मिश्र और डॉ. भास्कर शुक्ल ने पुरस्कार बांटे। अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक शादाब रजा ने धन्यवाद ज्ञापित एवं सहायक प्रशिक्षक अम्बर जायसवाल ने कार्यक्रम संचालन किया। इस मौके पर राजेश कुमार अरोड़ा, मानस हलदार, अशोक पांडेय अंतू, पीके देव आदि उपस्थित रहे।

दुकानें बंद कर व्यापारियों ने नैनी व्यापार मंडल का किया समर्थन

संवाददाता
प्रयागराज । दिसंबर महीने के आखिरी सप्ताह रविवार को व्यापारियों ने स्वतरू अपनी–अपनी दुकानें बंद कर नैनी व्यापार मंडल का भरपूर समर्थन दिया। इसी को लेकर नैनी व्यापार मंडल के द्वारा मेवालाल की बगिया तिराहे पर एक नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। जिसमें व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर नैनी व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुभाष चंद केसरवानी, महामंत्री घनश्याम जायसवाल, राकेश जायसवाल, राजकुमार जायसवाल, रमेश केसरवानी, एम.ए सिद्दीकी, केदारनाथ सचदेवा, मोहम्मद अजहर आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

लगातार बढ़ रही ठंड से लोग परेशान, अलाव जलाने की मांग

संवाददाता
प्रयागराज । इन दिनों लगातार ठंड का मौसम बढ़ता चला जा रहा है। अधिक ठंड बढ़ने के बावजूद क्षेत्र में अलाव की व्यवस्था न होने से लोगों को काफी दिक्कतें महसूस हो रही है
जैसा कि मालूम हो इन दिनों ठंड का मौसम बड़ी तेजी के साथ बढ़ता चला जा रहा है। शाम ढलते ही ठंड अपने पूरे शबाब पर पहुंच जाता है। ठंड से बचने के लिए कुछ जगहों पर लोग आग का सहारा ले रहे हैं। ठंड के चलते शाम होते ही लोग घरों के अंदर कैद हो जाते हैं। सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम हो जाती है। ठंड अधिक बढ़ने के बावजूद क्षेत्र में कहीं भी अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके चलते सड़कों पर आने जाने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय लोगों ने नगर निगम के उच्चाधिकारियों का ध्यान इस तरफ आकर्षित कराते हुए क्षेत्र के प्रमुख चौराहों पर अलाव जलवाने की मांग की है।

जेसीएफ क्लब की आसान जीत

संवाददाता
प्रयागराज। जेसीएफ क्लब ने दौलत हुसैन इंटर कॉलेज ग्रीन को छह विकेट से हराकर प्राइड कप अंडर–12 क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक जुटाये। दौलत हुसैन इंटर कॉलेज ग्रीन ने रविवार को अपने मैदान पर टॉस हारकर 20 ओवर में 62 रन बनाये। इबाद ने सर्वाधिक 22 रन बनाये। जेसीएफ की तरफ से अरहम ने तीन, शिवम व अब्दुल रहमान ने दो–दो विकेट लिये। जवाब में जेसीएफ क्लब ने 8 ओवर में 4 विकेट पर 63 रन बना लिये। कार्तिक सिंह ने 18 रन का योगदान दिया। दौलत हुसैन के उबैद एवं आदर्श ने दो–दो विकेट लिया।

एसडीएम ने निर्माणाधीन चिकित्सालय में गुणवत्ता को परखा, जतायी नाराजगी
क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के निरीक्षण मे मिलीं थी खामियां

संवाददाता
लालगंज, प्रतापगढ़। सीएचसी परिसर मे निर्माणाधीन महिला एवं बाल चिकित्सालय मे जारी कार्यो का एसडीएम ने सोमवार को औचक निरीक्षण किया। एसडीएम ने निर्माण कार्यो की गुणवत्ता परखनें के लिए जांच समिति मे नामित अधिशाषी अभियंताओं को भी मंगलवार को निर्माणाधीन स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिये है। एसडीएम राम नारायण सोमवार को दोपहर बाद अचानक सीएचसी परिसर पहुंचे। यहां राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा पचास बेड के निर्माणाधीन महिला एवं बाल चिकित्सालय का उन्होनें औचक निरीक्षण शुरू किया। एसडीएम को भी जारी निर्माण कार्य मे खामियां दिखी तो वह कार्यदायी संस्था पर भड़क उठे। एसडीएम ने कार्यदायी संस्था से निर्माण को लेकर कार्ययोजना का विस्तृत विवरण उपलब्ध कराने को कहा। वहीं जांच समिति मे नामित अधिशाषी अभियंताओं को भी मंगलवार को तकनीकी परीक्षण के लिए उपलब्ध होने के निर्देश दिये। बता दें कि सीएचसी परिसर में क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के प्रयास से सात करोड़ छत्तीस लाख लागत की मैटरनिटी विंग की स्वीकृत प्रदान की गई है। कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम को अब तक पांच करोड़ छत्तीस लाख अवमुक्त भी हो चुके है। सप्ताह भर पहले क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना क्षेत्र के दौरे पर आयी थी। स्थानीय लोगों की शिकायत पर विधायक मोना ने मैटनिटी विंग के निर्माण कार्य का अवलोकन किया तो गुणवत्ताविहीन निर्माण देख वह भड़क उठी। विधायक ने अनियमितता को लेकर प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री एवं विभागीय अपर मुख्य सचिव को जांच के लिए पत्र लिखा है। इधर डीएम डा. रूपेश कुमार ने महिला एवं बाल चिकित्सालय के निर्माण मे शिकायत को देखते हुए एसडीएम की अध्यक्षता मे तीन सदस्यीय कमेटी का भी गठन कर रखा है। एसडीएम के औचक निरीक्षण से सीएचसी परिसर में देर शाम तक हड़कंप का माहौल दिखा। इधर एसडीएम ने जलेशरगंज स्थित श्रीराम राइस मिल में भी चावल की एफसीआई को हो रही सप्लाई की प्रगति की जानकारी जुटाई। एसडीएम ने मिल संचालक को क्रय केन्द्रों से उपलब्ध कराये गये धान से तैयार चावल को अविलंब एफसीआई को भेजवाये जाने के कड़े निर्देश दिये।

जंगल में आगजनी से वन सम्पदा हुई खाक, हड़कम्प

संवाददाता, लालगंज, प्रतापगढ़। उदयपुर थाना क्षेत्र के पूरे हुसैनी मुस्तफाबाद व पूरे लोकई रामनगरकोल गांव के मध्य जंगल मे रविवार की रात लगभग साढ़े ग्यारह बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई। आगजनी मे लाखों की वन संपदा को नुकसान हुआ है। आग की लपटें उठती देख ग्रामीण जंगल की तरफ पहुंचे और अपने स्तर पर पानी न होने की स्थिति मे फावड़ा ,कुल्हाड़ी से सरपत का लगाव काटकर फेंका। ग्रामीणों ने प्रयास किया कि किसी तरह आग की लपटें आगे न बढ़ सकें हालांकि आगजनी से लगभग पच्चीस बीघा जंगल का सरपत, तथा सैकड़ो पौधे जलकर राख हो गये। वही दर्जनो बड़े पेड़ भी झुलस गए। आगजनी के चलते जंगली छोर पर क्षेत्र के मन्नू खां, रसीद अहमद, नईम खां, रफीक अहमद, आदि निवासी गाजीपुर मुस्तफाबाद, वही रामसजीवन यादव, जैराम यादव, पूरे लोकई मैकू लाल, गिरधारी लाल आदि निवासी रामनगरकोल का सरपत पेड भी जलकर राख हो गए है।

अरुण जेटली का छात्र राजनीति से केंद्रीय मंत्री तक का सफर

नरेन्द्र मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में सफल वित्तमंत्री रह चुके अरुण जेटली का जन्म 28 दिसंबर,1952 को महाराज किशन जेटली और रतन प्रभा जेटली के घर हुआ। उनके पिता एक कामयाब वकील थे। 1957–69 के दौरान सेंट जेवियर्स स्कूल, नई दिल्ली से उनकी स्कूली शिक्षा हुई।

एजेंसी

स्वर्गीय अरुण जेटली का जन्म दिल्ली में 28 दिसंबर, 1952 को हुआ था। अरुण जेटली एक ऐसे जीवन की दास्तान है जिन्होंने अपने जीवन को बिन्दु से सिन्धु बनाया है। उनके जीवन की दास्तान को पढ़ते हुए जीवन के बारे में एक नई सोच पैदा होती है। जीवन सभी जीते हैं पर सार्थक जीवन जीने की कला बहुत कम व्यक्ति जान पाते हैं। जेटली के जीवन कथानक की प्रस्तुति को देखते हुए सुखद आश्चर्य होता है एवं प्रेरणा मिलती है कि किस तरह से दूषित राजनीतिक परिवेश एवं आधुनिक युग के संकुचित दृष्टिकोण वाले समाज में जमीन से जुड़कर आदर्श जीवन जिया जा सकता है, आदर्श स्थापित किया जा सकता है। और उन आदर्शों के माध्यम से देश की राजनीति, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैयक्तिक जीवन की अनेक सार्थक दिशाएँ उद्घाटित की जा सकती हैं। जेटली ने व्यापक संदर्भों में जीवन के सार्थक आयामों को प्रकट किया है, वे आदर्श जीवन का एक अनुकरणीय उदाहरण हैं, मूल्यों पर आधारित राजनीति को समर्पित एक लोककर्मी का जीवनवृत्त है। उनके जीवन से कुछ नया करने, कुछ मौलिक सोचने, राजनीति को मूल्य प्रेरित बनाने, सेवा का संसार रचने, सद्प्रवृत्तियों को जागृत करने की प्रेरणा मिलती रहेगी

सही मायनों मे अरूण जेटली की राजनीतिक यात्रा 1974 मे शुरू हुई, जब उन्होंने देश की सबसे शक्तिशाली राजनीतिक पार्टी कांग्रेस और उसके छात्र संगठन नेशनल स्टूडेंट यूनियन

ऑफ इंडिया के वर्चस्व के दौर में कॉलेज में भारतीय जनता पार्टी के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले चुनाव लड़ा, और जीत हासिल की। उन्होंने अपने कॉलेज में एन एस यू आई का वर्चस्व तोड़ा। वे इस दौर में भारतीय राजनीति के कद्दावर नेता जय प्रकाश नारायण से खासे प्रभावित रहे। उन्होंने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे। घाल–मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। उनके जीवन से जुड़ी विधायक धारणा और यथार्थपरक सोच ऐसे शक्तिशाली हथियार थे जिसका वार कभी खाली नहीं गया। वे जितने राजनीतिक थे, उससे अधिक मानवीय एवं सामाजिक थे। आज भाजपा जिस मुकाम पर है, उसे इस मुकाम पर पहुंचाने में जिन लोगों का योगदान है, उनमें अरुण जेटली अग्रणी हैं। उन्हें हम भारतीयता एवं भारतीय राजनीति का अक्षयकोष कह सकते हैं, वे चित्रता में मित्रता के प्रतीक थे तो गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, निडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे। वे एक ऐसे नेता थे, जिन्होंने अपने राजनीतिक कॅरियर में कभी कोई लोकसभा चुनाव नहीं जीता, बावजूद उन्हें राजनीति का पुरोधा माना जाता है। वे भाजपा के संकटमोचक थे, हनुमान की भांति हर मुश्किल वक्त में वे हमेशा पार्टी के खेवनहार रहे हैं। मुश्किल संसद के अंदर हो या कोर्ट में या फिर आमजन के बीच, उन्होंने हर जगह अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। लाखों–लाखों की भीड़ में कोई–कोई जेटली जैसा विलक्षण एवं प्रतिभाशाली व्यक्ति जीवन–विकास की प्रयोगशाला में विभिन्न प्रशिक्षणों–परीक्षणों से गुजरकर महानता का वरन करता है, विकास के उच्च शिखरों पर आरूढ़ होता है और अपनी मौलिक सोच, कर्मठता, जिजीविषा, पुरुषार्थ एवं राष्ट्र–भावना से समाज एवं राष्ट्र को अभिप्रेरित करता है। वे भारतीय राजनीति का एक आदर्श चेहरा थे। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री के अपने कार्यकाल के दौरान, कई नए अभिनव दृष्टिकोण, राजनैतिक सोच और कई योजनाओं की शुरुआत की। भाजपा में वे मूल्यों की राजनीति करने वाले नेता, कुशल प्रशासक, योजनाकार थे। नरेन्द्र मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में सफल वित्तमंत्री रह चुके अरुण जेटली का जन्म 28 दिसंबर,1952 को महाराज किशन जेटली और रतन प्रभा जेटली के घर हुआ। उनके पिता एक कामयाब वकील थे। 1957–69 के दौरान सेंट जेवियर्स स्कूल, नई दिल्ली से उनकी स्कूली शिक्षा हुई। 1973 में श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स,नई दिल्ली से उन्होंने कॉमर्स में स्नातक किया, जबकि 1977 में दिल्ली विश्वविद्यालय से लॉ की डिग्री हासिल की। छात्र जीवन के दौरान शिक्षा के अलावा अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर उन्होंने कई उच्च सम्मान हासिल किए। 24 मई, 1982 को संगीता जेटली के साथ वे परिणय सूत्र में बंधे और फिर उनके घर में पुत्र रोहन और पुत्री सोनाली की किलकारियां गूंजी। वे जितने सफल जननायक थे उतने ही कुशल पारिवारिक नेतृत्व के धनी थे। अरूण जेटली का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, प्रखर अधिवक्ता, कुशल प्रशासक के रूप में उनकी अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आते रहे हैं। वे समर्पित–भाव से भाजपा के हर दायित्व, गतिविधि एवं योजना, जो उन्हें सुपुर्द की जाती थी, उसे सफलता तक पहुंचाने के लिये प्रतिबद्ध हो जाते थे। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविधा दिशाओं का स्पर्श किया। यही कारण है कि कोई भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही। उनकी सहजता और सरलता में गोता लगाने से ज्ञात होता है कि वे गहरे मानवीय सरोकार से ओतप्रोत एक अल्हड़ राजनीतिक व्यक्तित्व थे। बेशक जेटली अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने सफल राजनीतिक जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। 9 अगस्त 2019 को अरूण जेटली जी को उन्हें सांस फूलने की शिकायत के बाद गंभीर हालत में दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था। 17 अगस्त को यह बताया गया कि जेटली लाइफ सपोर्ट पर थे। 23 अगस्त तक उनकी तबीयत खराब हो गई थी। 24 अगस्त 2019 को 66 साल की उम्र में जेटली जी का निधन हो गया।

दत्त अर्थात वह जिसने निर्गुणकी अनुभूति प्राप्त की हैय वह जिसे यह अनुभूति प्रदान की गई है कि 'मैं ब्रह्म ही हूं, मुक्त ही हूं, आत्मा ही हूं।'

अत्रि ऋषिकी पत्नी अनसूयाकी पवित्रताकी परीक्षा लेने हेतु ब्रह्मा, श्रीविष्णु एवं महेश गए । अनसूयाकी पतिव्रताके कारण ब्रह्मा, श्रीविष्णु एवं महेशके अंशोंसे तीन छोटे बालकोंका जन्म हुआ । श्रीविष्णुके अंशसे भगवान दत्तात्रेयका जन्म हुआ । यह रूपकात्मक पुराणकथा लोकप्रिय है । इस वर्ष भगवान दत्तात्रेयजी की जयंती 29 दिसंबर को है । इस हेतु आइए जानते हैं, उनके विषय में

अतृप्त पूर्वजों के कारण होनेवाले कष्ट से रक्षा हेतु उपासना करें ! वर्तमान काल में पूर्व की भांति कोई श्राद्ध–पक्ष इत्यादि नहीं करता और न ही साधना करता है । इसलिए अधिकतर सभी को पितृदोष (पूर्वजों की अतृप्ति के कारण कष्ट) होता है । आगे पितृदोष की संभावना है या वर्तमान में हो रहा कष्ट पितृदोष के कारण है, यह केवल उन्नत पुरुष ही बता सकते हैं । किसी उन्नत पुरुष से भेंट संभव न हो, तो यहां पितृदोष के कुछ लक्षण दिए हैं दृ विवाह न होना, पति–पत्नी में अनबन, गर्भधारण न होना, गर्भधारण होने पर गर्भपात हो जाना, संतान का समय से पूर्व जन्म होना, मंदबुद्धि अथवा विकलांग संतान होना, संतान की बचपन में ही मृत्यु हो जाना आदि । व्यसन, दरिद्रता, शारीरिक रोग, ऐसे लक्षण भी हो सकते हैं ।

दत्त के नामजप से पितृदोष से रक्षा कैसे होती है ?

अ. सुरक्षा–कवच निर्माण होना

दत्त के नामजप से निर्मित शक्ति से नामजप करनेवाले के सर्व ओर सुरक्षा–कवच का निर्माण होता है ।

आ. पूर्वजों को गति प्राप्त होना

अधिकांश लोग साधना नहीं करते । अतएव वे माया में अत्यधिक लिप्त होते हैं । इसलिए मृत्यु के उपरांत ऐसे व्यक्तियों की लिंगदेह अतृप्त रहती है । ऐसे अतृप्त लिंगदेह मर्त्यलोक में (मृत्युलोक में) अटक जाते हैं । (मृत्युलोक भूलोक एवं भुवर्लोक के मध्य है ।) दत्त के नामजप के कारण मृत्युलोक में अटके पूर्वजों को गति मिलती है और वे अपने कर्म के अनुसार आगे के लोक में जाते हैं । इससे स्वाभाविक रूप से उनसे व्यक्ति को होनेवाले कष्ट की तीव्रता घट जाती है ।

अतृप्त पूर्वजों से होनेवाले कष्ट पर उपाय

१. किसी भी प्रकार का कष्ट न हो रहा हो, तो भी आगे चलकर कष्ट न हो इसलिए, साथ ही यदि थोडा सा भी कष्ट हो तो 'श्री गुरुदेव दत्त ।' नामजप १ से २ घंटे करें । शेष समय प्रारब्ध के कारण कष्ट न हो इस हेतु एवं आध्यात्मिक उन्नति हो इसलिए सामान्य मनुष्य अथवा प्राथमिक अवस्था का साधक कुलदेवता का अधिकाधिक नामजप करे ।

२. मध्यम कष्ट हो तो कुलदेवता के नामजप के साथ 'श्री गुरुदेव दत्त ।' नामजप प्रतिदिन २ से ४ घंटे करें । गुरुवार को दत्तमंदिर जाकर सात परिक्रमाएं करें एवं बैठकर एक–दो माला जप वर्षभर करें । तत्पश्चात तीन माला नामजप जारी रखें ।

३. तीव्र कष्ट हो तो कुलदेवता के नामजप के साथ ही 'श्री गुरुदेव दत्त ।' नामजप प्रतिदिन ४ से ६ घंटे करें । किसी ज्योतिर्लिंग में जाकर नारायणबलि, नागबलि, त्रिपिंडी श्राद्ध, कालसर्पशांति आदि विधियां करें । साथ ही किसी दत्तक्षेत्र में रहकर साधना करें अथवा संतसेवा कर उनके आशीर्वाद प्राप्त करें ।

संदर्भ : सनातन का ग्रंथ 'भगवान दत्तात्रेय'

दुबले-पतले शरीर की वजह से उड़ता है मजाक तो दूध में सिर्फ 1 चीज मिलाकर पीना शुरु करें

फाइबर, विटमिन बी6, प्रोटीन, आयरन, कार्बोहाइड्रेट्स जैसी पोषक तत्वों से भरपूर खजूर सेहत के लिए किसी औषधी से कम नहीं है लेकिन इसे खाने का भी सही तरीका होता है। एक दिन में 5 से ज्यादा खजूर खाने पर सेहत को कई नुकसान भी हो सकते है। चलिए आज हम आपको बताते हैं खजूर खाने का सही तरीका और इसके फायदे–नुकसान...

खजूर वाला दूध बनाने का तरीका

1 गिलास गाय के दूध में 3 खजूर डालकर एक आंच आने तक पकाएं। जब दूध में एक उबाल आ जाए तो उसे धीमा करके 5 मिनट तक पकाएं। फिर इसे हल्का गुनगुना करें। अब खजूर खाकर ऊपर से दूधा पी लें।

चलिए अब आपको बताते हैं खजूर वाला दूध पीने के फायदे...

बच्चे बिस्तर गीला करते हैं तो...

अगर बच्चे बिस्तर गीला कर देते हैं तो सुबह खाली पेट उन्हें रोजाना खजूर वाला दूध पीलाएं लेकिन 5–10 उम्र के बच्चों के दूध में 1–2 से ज्यादा खजूर ना डालें। 10 से ज्यादा उम्र के बच्चों को दो से ज्यादा खजूर ना दें।

वजन बढ़ाए

वहीं, महिलाएं 3 और पुरुष 4 खजूर दूध में डालकर पी सकते हैं। इससे वजन भी बढ़ेगा और हड्डियां भी मजबूत होगी। साथ

ही इसमें भरपूर प्रोटीन और पोषक तत्व होते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं।

डायबिटीज मरीजों के लिए सही?

डायबिटीज मरीज 1–3 खजूर खा सकते हैं लेकिन इसके लिए ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में होना जरूरी है। आप चाहें तो इसे बिना शक्कर वाले दूध में उबालकर भी पी सकते हैं।

दिल को रखे स्वस्थ

रोजाना 1 गिलास खजूर वाला दूध पीने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रहता है, जिससे सेल्स डैमेज, कैंसर और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम हो जाता हैय

बढ़ाता है एनर्जी

खजूर व दूध के कॉम्बिनेशन से शरीर में ग्लूकोज, फ्रक्टोज, फाइबर, आयरन और मैग्नीशियम से तत्वों की आपूर्ति होती है, जिससे बॉडी एनर्जेटिक और मूड़ बेहतर होता है।

खराब पाचन क्रिया

जिन लोगों को खाना पचाने में दिक्कत होती है उनके लिए इसका सेवन काफी फायदेमंद है लेकिन लिमिट में। इससे कब्ज और एसिडिटी जैसी परेशानियां दूर रहती है।

सर्दी–जुकाम से राहत

सर्दी–जुकाम से राहत पाने के दूध में 2–3 खजूर, काली मिर्च और इलायची को उबालकर सोने से पहले पीएं। इससे आराम मिलेगा। साथ ही इससे शरीर भी अंदर से गर्म रहेगा और सर्दी नहीं लगेगी।

नहीं होगी खून की कमी

दूध और खजूर में मौजूद आयरन शरीर में खून की कमी नहीं होने देता। साथ ही इससे खून साफ और ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है, जिससे त्वचा में निखार आता है।

तेज दिमाग

इसमें विटामिन बी–6 होता है, जिससे दिमाग तेज होता है। साथ ही इसमें मौजूद कैल्शियम जोड़ों के दर्द से भी बचाता है।

अधिक खजूर खाने से होंगे ये नुकसान

अधिक मात्रा में खजूर खाने से पेट की दर्द, गैस, पेट फूलना, डायरिया, मितली आना, मांसपेशियों में झुनझुनाहट, ऐंठन, डायबिटीज, बीपी की समस्या हो सकती है। वहीं खजूर से एलर्जी अस्थमा को ट्रिगर कर सकती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप लिमिट में इसका सेवन करें।

असली मसाले (व्यंग्य)

एजेंसी

गधा महासचिव ने कहादृ हम गधे जरूर हैं। थोड़े–बहुत मुहावरे हम भी जानते हैं। जब भी मुश्किल की घड़ी आती है आप लोग गधों को यानी हमें अपना बाप बना लेते हैं। जैसे ही स्वार्थ पूरा हुआ कि नहीं पिछवाड़े पर चार लात मार कर हकाल देते हैं।

गधों की मसाला उद्योगपतियों से बैठक चल रही थी। गधों के महासचिव ने बैठक में कहा– नमस्कार, हमारा देश और पूरा विश्व आज भारत का बनाया गरम मसाला खा रहा है। एमडीएच बाबा जरूर गए हैं, लेकिन हम बचे हुए हैं। ऐसे में आपका फर्ज है कि हमारी लीद को जन–जन तक पहुँचाए। यानी कि बढ़िया मसाला खिलाएँ। इसलिए जब तक हम हैं, तब तक मसाला है। जो लोग यह समझते हैं थे कि एमडीएच किसी आदमी के नाम पर बिकने वाला मसाला था तो वह आपकी बेवकूफी थी। एमडीएच में 'एम' का मतलब 'मसाला', 'डी' का मतलब 'डांकी शिट' और 'एच' का मतलब 'है', है। यानी कि असली मसाले हमारी लीद से बनते हैं। यदि आप अपनी आय बनाए रखना चाहते हैं तो आपको हमारी कुछ शर्तें माननी होंगी। इस पर मसाला कंपनी के उद्योगपतियों ने कहादृ शर्तें...? कैसी शर्तें... ? आप लोग यह अच्छी तरह से जानते हैं कि अब तक हमने लोगों को आपकी लीद खिलाकर ही इतनी कोठियाँ उठाई हैं। इतना रुपया–पैसा

कमाया है। देश और दुनिया आपकी लीद का मुरीद है। कहीं आप लोग लीद देना बंद कर देंगे, तो हमारा बसा बसाया उद्योग बंद हो जाएगा। हम सड़क पर आ जायेंगे। हम आपकी तरह लीद भी नहीं कर सकते। हमारी मजबूरी समझिए। शर्त–वर्त छोड़िए मिल–बैठकर बात करते हैं।

इस पर गधा महासचिव ने कहादृ हम गधे जरूर हैं। थोड़े–बहुत मुहावरे हम भी जानते हैं। जब भी मुश्किल की घड़ी आती है आप लोग गधों को यानी हमें अपना बाप बना लेते हैं। जैसे ही स्वार्थ पूरा हुआ कि नहीं पिछवाड़े पर चार लात मार कर हकाल देते हैं। हमें इंसानों की तरह मुश्किल की घड़ी में न बात बदलने की आदत है न बाप। इस बार हम ऐसी कोई बेवकूफी नहीं करेंगे जिससे कि हमारी वर्तमान और आगे आने वाली कौम हमें कोसते रहे। हमारी एकमात्र शर्त यही है कि हमसे माल ढुलाई का काम, खाने के नाम पर अखबार के टुकड़े और रहने के लिए कूड़ादान से छुटकारा दिलाएँ। नहीं तो हम अपनी लीद से आपको बेदखल कर देंगे।

मामला बिगड़ता देख उद्योगपतियों ने कहादृ हे लीद के धनी गधा महाराज! आप इतने नाराज क्यों होते हैं? कौन कहता है कि हम आपका सम्मान नहीं करते? हम जैसे उद्योगपति देश के सिंहासन पर समझदार, अक्लमंद और हमारा बेड़ा गर्क करने वाले को कभी नहीं बिठाते। हम तो उस सिंहासन पर आप जैसे सीधे–सादे गधों को सुशोभित करते हैं जो हमारी हाँ में हाँ मिला सके। हमारे लाभ में अपना लाभ देख सकें। जो उठते–बैठते, सोते–जागते, खाते–पीते गधे बने रहते हैं वही हमारे लिए पूजनीय होते हैं। हमने जब भी उनसे कुछ कहा है उसे लकीर की फकीर समझकर अपनाया है। हमारे आह भरने मात्र से नए देश में काले–पीले, उल्टे–सीधे कानून बन जाते हैं। इसलिए आप लोग निश्चिंत रहिए। हम सिंहासन पर बैठे आपके कौम के लोगों से कहकर आपके हित में और दो–चार कानून बनवा देंगे। देश की जनता चाहे जैसे जिए, लेकिन आपके ऐशो–आराम में खलल पड़ने नहीं देंगे। हम आपको पूरा विश्वास दिलाते हैं कि वे हमारी बात बिल्कुल नहीं टालेंगे, क्योंकि उन्हें चुनाव भी तो लड़ना है। और जीतना भी तो है। हम उनकी नब्ज हमेशा थामे रहते हैं। यह सब सुन गधा महासचिव ने राहत की सांस ली और उद्योगपतियों की पीठ थपथपायी।

कोरोना से ठीक होने के बाद भी शरीर में रह जाते हैं यह लक्षण

कोरोना वैक्सीन को लेकर दुनिया भर में काम किया जा रहा है। वैज्ञानिक कमर तोड़ कोरोना वैक्सीन पर काम रहे हैं। बहुत से देशों में वैक्सीनेशन शुरू भी हो गई है लेकिन इससे पूरी तरह से छुटकारा मिल पाएगा या नहीं अभी इस पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। कोरोना को लेकर रोज नई–नई बातें सामने आ रही हैं। कोरोना के साथ–साथ अब दुनियाभर में एक और समस्या आन पड़ी है जो है कोरोना का नया स्ट्रेन। लेकिन वहीं अब कोरोना को लेकर एक और नई बात सामने आई है।

कोरोना से ठीक होने के बाद भी हो रही परेशानी

इस वायरस पर हुए कई शोध की मानें तो इसके अलग–अलग लक्षण दिखाई देते हैं लेकिन वहीं कुछ लोगों के मन में एक यह सवाल भी है कि जो लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं उनमें लक्षण बाकी रह जाते हैं या नहीं। वहीं अब इस पर एक जानकारी सामने आई है।

ठीक होने के बाद भी हो सकती हैं परेशानियां

इस वायरस के संक्रमण में आने पर शरीर में कई लक्षण दिखाई देते हैं लेकिन जरूरी नहीं कि वायरस से ठीक होने के बाद आप एक दम फिट हो जाएं। हालांकि इस वायरस से ठीक होने के बाद भी आपको कुछ परेशानियां हो सकती हैं। तो चलिए आपको बताते हैं इसके बारे में।

बालों का अधिक झड़ना

कोरोना से ठीक होने के बाद बहुत से लोगों को जो समस्या आई वो थी कि उनके पहले से ज्यादा बाल झड़ने लगें। अगर आप भी कोरोना संक्रमण पाए गए थे तो हो सकता है कि वायरस से ठीक होने के बाद आपके बाल भी झड़ने लग जाएं।

थका महसूस करना और भूख कम लगना

वहीं इसके साथ ही कोरोना से ठीक हो चुके व्यक्ति को बार–बार थकान हो सकती है। हो सकता है उसे भूख भी कम लगे। इस तरह के पोस्ट कोविड लक्षण एक इंसान में दिखाई दे सकते हैं। इतना ही नहीं भूख न लगने की वजह से व्यक्ति का वजन भी कम होने लगता है।

नसों का ठीक ढंग से काम न करना

वहीं इस वायरस का एक पोस्ट कोविड लक्षण सामने आया है जो है कि इससे शरीर में खून के थक्के जमने लगते हैं जिससे काफी समस्या होती है। इसके कारण शरीर की नस ठीक काम करना बंद कर देती हैं जिससे पैरों में दर्द होने लगती हैं और चलने फिरने में भी परेशानी होने लगती है। इतना नहीं खून के थक्के जम जाने के कारण शरीर के कई अंग सुन्न होन लगते हैं।

मांसपेशियों में दर्द

वहीं वायरस से ठीक होने वाले लोगों की मानें तो कोरोना से ठीक होने के बाद उन्हें मांसपेशियों में दर्द की शिकायत होने लगती है। वह कुछ भी काम करें उन्हें अचानक से पीठ में, नसों में और जोड़ों में दर्द की शिकायत हो जाती है। जिसके बाद एक व्यक्ति के लिए काम करना काफी मुश्किल हो जाता है।

करें ये काम

विशेषज्ञों की मानें तो इस समस्या का एक ही हल है और वो है लोग अच्छी डाइट लेना। हेल्दी खाना खाएं और जितना हो सके एक्सराइज करें ताकि आपके शरीर को सारे पोषक तत्व मिल सकें।

खाना खाने के बाद यह 1 गलती बढ़ा सकती है आपका वजन!

पानी पीने से हमारे शरीर को कई फायदे होते हैं। महज पानी पीने से ही शरीर से सारे गंदे प्रदार्थ बाहर निकल जाते हैं। डॉक्टर्स भी लोगों को ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की सलाह देते हैं लेकिन यह पानी आपकी सेहत को तब नुकसान दे सकता है जब आप इसका सेवन गलत समय पर करें। जी हां...पानी पीना बेशक सेहत के लिए अच्छा होता है लेकिन अगर आप इसे गलत समय पीएंगे तो आपका शरीर निरोग नहीं बल्कि रोगी बन सकता है। बहुत से लोगों को खाना खाने के बाद पानी पीने की आदत होती है लेकिन आपकी यह आदत आपको परेशानी में डाल सकती है। दरअसल डॉक्टर्स की मानें तो खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीना आपकी सेहत को नुकसान दे सकता है।

खाना खाने के बाद पानी पीने से होने वाली परेशानियां

1. ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है

अगर आप खाने के तुरंत बाद ही पानी का सेवन करते हैं तो

इससे आपका ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है। खाने पर तुरंत पानी पीना शुगर के मरीजों के लिए जहर समान हो सकता है।

2. होने लगती है गैस, एसिडिटी

खाना खाने के बाद पानी पीने के कारण आपकी पाचन प्रक्रिया भी बिगड़ने लगती है। खाना अच्छे से पकता नहीं है जिसके कारण आपको गैस एसिडिटी की समस्या होने लगती है।

3. बढ़ सकता है वजन

बहुत कम लोग यह जानते हैं कि खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीने के कारण आपका वजन बढ़ सकता है। जी हां अगर आपको लगता है कि आप कुछ न खाकर भी मोटी हो रही हैं तो इस मोटापे का कारण कहीं न कहीं आपकी यह गलत हो सकती है।

4. पाचन प्रक्रिया कमजोर

बहुत से लोगों को इस आदत पर कंट्रोल करना मुश्किल लगता होगा लेकिन अगर आप इस पर कंट्रोल नहीं करेंगे तो आपकी पाचन प्रक्रिया भी कमजोर हो सकती है। जी हां इतना ही नहीं इससे आपको अल्सर होने की भी संभावना बनी रहती है।

इतने समय बाद पीएं पानी

अब आपके मन में एक ही सवाल होगा कि इन सभी समस्याओं से दूर रहने के लिए और शरीर को फिट रखने के लिए कितने समय बाद पानी पीना चाहिए तो आपको बता दें कि इस पर अधिकतर चिकित्सक खाना खाने के आधा घंटा रुककर पानी पीने की सलाह देते हैं। 30 मिनट के अंदर शरीर के भीतर पाचन की अगली प्रक्रिया शुरू हो चुकी होती है और तब पानी पीने का पाचन तंत्र पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

वरुण धवन-सारा अली ख़ान को लिया

मगर मूवी को अपडेट करना भूल गये डेविड धवन

एजेंसी

अमेज़न प्राइम वीडियो पर 24 दिसम्बर की मध्यरात्रि रिलीज़ हुई 'कुली नम्बर 1' इस साल आयीं उन बड़ी फ़िल्मों की सीरीज़ में आख़री फ़िल्म है, जो बनायी तो सिनेमाघरों के लिए गयी थीं, मगर कोरोना वायरस पैनडेमिक में सिनेमाघरों की तालाबंदी के चलते ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर उतार दी गयीं। वरुण धवन और सारा अली ख़ान की मुख्य भूमिकाओं वाली नई 'कुली नम्बर 1' डेविड धवन की अपनी ही 1995 में इसी नाम से आयी गोविंदा और करिश्मा कपूर स्टारर फ़िल्म का रीमेक है। यानी पहली 'कुली नम्बर 1' और नई 'कुली नम्बर 1' में पूरे 25 साल का फ़ासला है। इस दौरान तकनीक बदली है। सिनेमा में कहानी कहने का अंदाज़ और दर्शकों को मिज़ाज बदला है, मगर 'कुली नम्बर 1' के रीमेक संस्करण में ढाई दशक के इस फ़ासले का रत्तीभर भी एहसास नहीं होता। नई स्टार कास्ट और अधिक भव्य सेटअप में फ़िल्म वहीं खड़ी नज़र आती है, जहां पुरानी 'कुली नम्बर 1' छोड़ी थी। बदले हुए किरदारों के साथ कहानी वही है। गोवा का अमीर होटल मालिक जेफरी रोज़ारिया (परेश रावल) अपनी बेटियों सारा (सारा अली ख़ान) और अंजू (शिखा तलसानिया) की शादी के लिए अमीर लड़के की खोज कर रहा है। मैचमेकर पंडित जय किशन (जावेद जाफ़री) एक रिश्ता लेकर आता है, मगर अपने मुक़ाबले कम अमीर परिवार को रोज़ारिया बेइज़्ज़त करके घर से निकाल देता है। इसस आहत जय किशन उससे बदला लेने की ठान लेता है और कुली राजू (वरुण धवन) को कुंवर राज प्रताप सिंह बनाकर सारा से शादी करवाने की योजना बनाता है। एक घटनाक्रम में राजू सारा की तस्वीर देखकर उस पर फिदा हो चुका होता है और अपनी दुल्हन बनाना चाहता है। लिहाज़ा, जय किशन जब उसके सामने सारा से शादी करने का प्रस्ताव रखता है तो राजू तैयार हो जाता है। हालांकि, अपनी सच्चाई छिपाने पर उसे थोड़ी हिचक होती है, मगर जय किशन 'प्यार में सब जायज़ है' के आधार पर उसे मना लेता है।

कुंवर का स्टेटस देख रोज़ारिया लट्टू हो जाता है और सारा से उसकी शादी करवा देता है। इसके बाद राजू अपना झूठ छिपाने के लिए जो करता है, उससे हास्य पैदा करने की कोशिश की गयी है। अपने झूठ को कवर अप करने के लिए राजू को जुड़वां भाई होने की कहानी गढ़नी पड़ती है, जिससे उसकी ज़िंदगी राजू और कुंवर राज प्रताप सिंह के बीच झूलने लगती है।

'कुली नम्बर 1' का स्क्रीनप्ले रूमी जाफरी ने लिखा है, जबकि संवाद फरहाद सामजी के हैं, जिन्होंने प्लम्बर के रोल में कैमियो भी किया है। साल 2020 में 'कुली नम्बर 1' उस दर्शक के लिए बनायी गयी है, जिसके हाथ में अब स्मार्टफोन आ चुका है और गूगल उसकी ज़िंदगी की सच्चाई बन चुका है। मगर, 'कुली नम्बर 1' की पटकथा में तकनीक के इस पहलू को पूरी तरह नज़रअदाज़ कर दिया गया है।

फ़िल्म की नायिका अपनी समस्या बताने के लिए अपने पिता को वीडियो कॉल तो करती है, मगर शादी से पहले सिंगापुर के सुपर रईस कुंवर राज प्रताप सिंह के बारे में गूगल करके सच का पता नहीं लगा सकती। (मासूमियत की इंतेहा!) मुंबई के स्टेशन पर कुली का काम करने वाला राजू चक्कों वाले सूटकेसों को भी सिर पर उठाकर चलता है। (क्या डेडिकेशन है भाई!)

गोवा का क्रिश्चियन परिवार एक पंडित के ज़रिए अपनी बेटियों के लिए दूल्हे ढूंढ रहा है, वहीं क्रिश्चियन वेडिंग करने वाली सारा पति के लापता होने पर उसकी सकुशलता की मन्नत मांगने मंदिर जाती है। (वाह, क्या सीन है!) गोवा में फाइव स्टार हॉलीडे रिजॉर्ट चलाने वाला अमीर व्यावसायी आपातकालीन स्थिति में भी सफ़र करने के लिए फ्लाइट के बजाय ट्रेन को प्राथमिकता देता है। (नहीं तो स्क्रीनप्ले में ट्विस्ट कैसे आता!)

'कुली नम्बर 1' की पटकथा में ऐसे झोल इसे आउटडेटेड बनाते हैं और वरुण धवन की सारी एनर्जी और टाइमिंग पटकथा के गड्ढों को भरने में ही ख़र्च हो जाती है। राजू और कुंवर राज प्रताप सिंह के ट्रांसफॉर्मेशन को वरुण ने बड़ी सहजता के साथ अंजाम दिया है। कई दृश्यों को ऊबाऊ होने से बचाया है। जुड़वां भाई वाली सीक्वेंस में मिथुन चक्रवर्ती की मिमिक्री और स्टाइल हो या शाह रुख़ ख़ान, सलमान ख़ान, नाना पाटेकर और दिलीप कुमार के अंदाज़ को कॉपी करना, वरुण ने इन दृश्यों को ह्यूमरस रखने की भरपूर कोशिश की। (इन दृश्यों पर थोड़ा मुस्कुरा सकते हैं!)

नायिका सारा अली ख़ान की यह चौथी फ़िल्म है। सारा के अभिनय में फ्रेशनेस है, मगर 21वीं सदी के दूसरे दशक में ऐसे किरदारों में वो मिसफिट लगती हैं। विशुद्ध मसाला फ़िल्म करने का लोभ ठीक है, मगर 'कुली नम्बर 1' में नायिका का किरदार आउटडेटेड वर्ज़न है, जो अब गले नहीं उतरता। वरुण के अंकल वेटरन एक्टर अनिल धवन ने फ़िल्म में महेंद्र प्रताप सिंह का किरदार निभाया है, जिसका विशाल और भव्य बंगला रोज़ारिया को दिखाकर राजू और सारा की शादी करवायी जाती है। महेंद्र प्रताप के बेटे महेश

आनंद के रोल में विकास वर्मा हैं, जो नेगेटिव किरदार है। इस किरदार की वजह से ही फ़िल्म का क्लाइमैक्स राजू के पक्ष में जाता है। सहयोगी कलाकारों में परेश रावल, जावेद जाफरी, जॉनी लीवर (पुलिस इंस्पेक्टर), शिखा तलसानिया, साहिल वैद्य (राजू का दोस्त दीपक) और राजपाल यादव (सारा का मामा) की मौजूदगी निराश नहीं करती।

फ़िल्म की सबसे अच्छी बात यह है कि पुरानी फ़िल्म के सुपरहिट गानों 'तुझको मिर्ची लगी' और 'हुस्न है सुहाना' के पुराने फ्लेवर को नहीं छेड़ा गया है। हालांकि, यह छेड़छाड़ पटकथा में ज़रूर होनी चाहिए थी। अभिजीत भट्टाचार्य, कुमार शानू और अल्का याग्निक को फिर सुनना अच्छा लगता है। 'मम्मी कसम' गाने में उदित नारायण की आवाज़ का इस्तेमाल भी पुरानी यादों में ले जाता है। 'कुली नम्बर 1' पुरानी फ़िल्म से अधिक भव्य और आलीशान है, मगर बेहतर वर्ज़न नहीं।

कलाकार– वरुण धवन, सारा अली ख़ान, परेश रावल, शिखा तलसानिया, राजपाल यादव, साहिल वैद्य, अनिल धवन, विकास वर्मा आदि।

निर्देशक– डेविड धवन

निर्माता– वाशु भगनानी, जैकी भगनानी आदि।

अवधि– 2 घंटा 14 मिनट

वर्डिक्ट– ''1/2 (ढाई स्टार)

क्रिसमस से एक दिन पहले रिलीज़ हुई

WW-84 ने किया क्या कमाल

क्रिसमस से एक दिन पहले रिलीज़ हुई हॉलीवुड की चर्चित फ़िल्म वंडर वुमन ने हालात को देखते हुए बॉक्स ऑफ़िस पर ठीकठाक प्रदर्शन किया है। क्रिसमस की छुट्टी और फेस्टिव सीज़न के मद्देनज़र शुक्रवार को फ़िल्म के कलेक्शंस में बढ़ोत्तरी होने की सम्भावना जतायी जा रही है।

ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार फ़िल्म ने गुरुवार को लगभग 1.50 करोड़ का कारोबार किया, जबकि बुधवार को पेड प्रिव्यूज़ से फ़िल्म को क़रीब 90 लाख रुपये जमा कर लिये थे, जिसे मिलाकर वंडर वुमन 1984 ने लगभग 2.40 करोड़ इकट्ठा कर लिये। हालांकि, अंतिम आंकड़ों में कुछ फेरबदल हो सकता है। वंडर वुमन 1984 की ओपनिंग क्रिस्टोफर नोलन की टेनेट से बेहतर बतायी जा रही है, जो 1.15 करोड़ के आसपास थी। 4 दिसम्बर को रिलीज़ हुई टेनेट लगभग 10 करोड़ का कारोबार भारत में कर चुकी है। 15 अक्टूबर से देश में 50 फीसदी क्षमता के साथ सिनेमाघर खोल दिये गये हैं, मगर हालात अभी भी सामान्य नहीं हैं। मुंबई में नाइट कर्फ्यू होने का असर भी फ़िल्म बिज़नेस पर पड़ रहा है। मुंबई फ़िल्मों के लिए बड़ा बाज़ार है। हालांकि, इन फ़िल्मों के कलेक्शंस को ट्रेड सकारात्मक नज़र से देख रहा है

और इस बात की तसल्ली जतायी जा रही है कि दर्शक सिनेमाघरों में जाने लगे हैं। फ़िल्म स्टार भी दर्शकों को थिएटर्स तक जाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। आमिर ख़ान सूरज पे मंगल भारी देखने सिनेमाघरों में गये थे। वहीं, ऋतिक रोशन ने वंडर वुमन 1984 बुधवार को सिनेमाघरों में देखी। वंडर वुमन 1984 को पैटी जेंकिन्स ने निर्देशित किया है। फ़िल्म में गैल गैडट के साथ क्रिस पाइन लीड रोल में हैं। इसकी कहानी डीसी कॉमिक्स के किरदार पर आधारित है। यह 2017 में आयी वंडर वुमन का सीक्वल है। फ़िल्म की कहानी 1984 के कोल्ड वॉर दौर में सेट की गयी है। फ़िल्म में गैल गैडट के किरदार का नाम प्रिंसेस डायना है, जो सुपरहीरो वंडर वुमन बनती है। शुक्रवार को क्रिसमस पर बॉलीवुड फ़िल्म शकीला भी रिलीज़ हो गयी है, जिसमें रिचा चड्ढा और पंकज त्रिपाठी मुख्य भूमिकाओं में हैं। 90 के दौर की एडल्ट स्टार शकीला की इस बायोपिक का निर्देश इंद्रजीत लंकेश ने किया है।

रूमर्ड कपल सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल गोवा के लिए हुए रवाना

एजेंसी, बिग बॉस 13 में अपनी बॉन्डिंग के लिए चर्चित हुए कपल सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल गोवा के लिए रवाना हो गए हैं दोनों वैलेंटाइन से जुड़े एक म्यूजिक वीडियो को शूट करने के लिए गोवा गए हैं दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल के बीच अफेयर की बात कही जाती है हालांकि अभी तक दोनों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है दोनों बिग बॉस 13 में साथ नजर आए थे दोनों की केमिस्ट्री दर्शकों ने काफी पसंद की थी दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर गोवा के लिए उड़ान

भरते हुए देखा गयास दोनों एक म्यूजिक वीडियो शूट करने के लिए गोवा जा रहे हैं। गौरतलब है कि इससे पहले दोनों कई वीडियो में साथ नजर आ चुके हैं और उनका हालिया म्यूजिक वीडियो टोनी कक्कर का गाया हुआ गाना 'सोना सोना' है, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था शहनाज गिल हाल ही में बिग बॉस 14 में बतौर मेहमान नजर आई थी उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि वह बिग बॉस इसलिए देख रही थी क्योंकि इसमें सिद्धार्थ था और जो बिग बॉस 13 के घर में सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनका रिश्ता था आज भी वह कायम है और वह चाहती है कि वह सदा बना रहे। एक सवाल में जब उनसे पूछा गया कि क्या वह सिद्धार्थ शुक्ला को मिस करती है इसपर उन्होंने कहा, 'मैं उनसे फोन पर बात करती हूं और जब भी मैं उन्हें मिस करती हूं मैं उन्हें फोन कर लेती हूंस बिग बॉस में वह मेरे लिए सब कुछ था बिग बॉस होने के बाद दोनों को कई म्यूजिक वीडियो में साथ देखा गया और गोवा में भी वह एक म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के लिए ही गए हैं सिद्धार्थ शुक्ला बिग बॉस 14 में बतौर सीनियर्स नजर आए थे और उन्होंने बातों–बातों में कहा था कि उनकी गर्लफ्रेंड उनके घर पर हैस इस पर कई प्रशंसकों ने कयास लगाया कि वह शहनाज गिल की ओर इशारा कर रहे थे।

सुहाना खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की फोटो

एजेंसी

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। सुहाना अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। सुहाना अपने लुक और ड्रेस को लेकर फैंस के बीच काफी चर्चा में रहती हैं। हाल ही में सुहाना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है जिसमें वो जेब्रा पैटर्न टॉप में नजर आ रही हैं। फोटो में उनका स्टाइल लोगों को आकर्षित कर रहा है। फोटो में दिख रहे उनके नेल्स पर भी अलग–अलग कलर की नेल पॉलिश लगी हुई है। सुहाना की ये फोटो उनके फैंस को काफी पसंद आ रही है, और अब तक इस फोटो को ढाई लाख (खबर लिखे जाने तक) से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। साथ ही अमिताभ बच्चन की पोती और सुहाना की खास दोस्त नव्या नवेली नंदा ने भी पोस्ट को लाइक कर कमेंट में उनकी तारीफ की है। नव्या की फोटो पर सुहाना ने एक दिल वाली इमोजी शेयर की है। आपको बता दें कि सुहाना इस वक्त न्यूयॉर्क में हैं। सुहाना न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के टिस्क स्कूल ऑफ द आर्ट्स में पढ़ाई कर रही हैं। सुहाना अपने पिता शाहरुख खान की तरह कलाकार बनाना चाहती हैं। वो लंदन में विलियम शेक्सपियर के एक

नाटक 'रोमियो और जूलियट' में हिस्सा ले चुकी हैं। शाहरुख खान ने भी उनकी इस परफॉर्मेंस की काफी तारीफ की थी। बेटी की तारीफ में पापा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखा था जिसमें उन्होंने लिखा था, 'लंदन में मेरी जूलियट के साथ, सभी कलाकारों ने क्या शानदार प्रदर्शन किया है। पूरी टीम को बधाई'।

हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में शाहरुख खान ने कहा था कि, 'सुहाना अगर एस्ट्रेस बनना चाहती हैं और इंडस्ट्री में आना चाहती हैं तो उसे पहले एक्टिंग सीखनी होगी। उन्होंने बताया था कि उनके कई दोस्त चाहते हैं कि मेरे बच्चे इंडस्ट्री में आएं और कल से ही काम शुरू कर दें, लेकिन ये अभी उनके एक्टिंग करने का वक्त नहीं हैं'।

नव्या नवेली ने इंस्टाग्राम पर शेयर की फोटो

अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली और जावेद जाफरी के बेटे मिजान जाफरी के रयूमर्ड रिलेशनशिप को लेकर अकसर चर्चा होती रहती है। फिलहाल दोनों फिर चर्चा में हैं, और इस बार वजह है नव्या नवेली की एक फोटो पर मिजान का कमेंट। दरअसल, नव्या ने हाल ही में अपना इंस्टाग्राम अकाउंट पब्लिक किया है। अब उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की जिसमें वो छत पर बैठी नजर आ रही हैं, लेकिन इस फोटो में नव्या का चेहरा नजर नहीं आ रहा है। फोटो को देखकर लग रहा है कि नव्या पीछे देख रही हैं, इसलिए उनके सिर्फ बाल नजर आ रहे हैं। नव्या की इस फोटो में पर मिजान ने कुछ ऐसा कमेंट किया है जो सबका ध्यान खींच रहा है। मिजान जाफरी ने कमेंट करते हुए लिखा है, 'क्या आप अपना चेहरा दिखा सकती हैं? इसके साथ मिजान ने कमेंट में दिल वाली इमोजी भी शेयर की है। नव्या की फोटो और मिजान का कमेंट दोनों सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं। आपको बता दें कि नाव्या ने कुछ दिन पहले ही अपना इंस्टाग्राम अकाउंट पब्लिक किया है। नव्या वैसे तो अक्सर खबरों में रहती ही हैं, लेकिन इंस्टा अकाउंट पब्लिक होने के बाद अब लोगों को उन्हें और करीब से जानने का मौका मिला हैस नव्या का अकाउंट वेरीफाइड है और इसे 149I लोग फॉलो करते हैं। जबकि वह सिर्फ 580 लोगों को फॉलो करती हैं। नव्या ने इंस्टा पर अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन, मां श्वेता बच्चन, अगस्त्स्य और अपने दोस्तों के साथ ढेर सारी फोटोज शेयर कर रखी हैं। वहीं मिजान जाफरी की बात करें तो जावेद जाफरी के बेटे फिल्मी दुनिया में कदम रख चुके हैं। साल 2018 में उन्होंने 'पद्मावत' फिल्म के साथ इंडस्ट्री में कदम रखा था। इसके बाद 2019 में वो 'मलाल' में दिखे। अब मिजान शिल्पा शेट्टी और परेशा रावल से साथ 'हंगामा 2' में नजर आने वाले हैं।

हिन्दी दैनिक
मरियम टाइम्स

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक कलीमउल्ला फ़ारूकी ने सांई प्रिंटिंग प्रेस , 20ए शिवाजी मार्ग हुसैनगंज लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से छपवाकर 20ए शिवाजी मार्ग हुसैनगंज लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित किया।

सम्पादक:
आसिया जैदी

मो0– 9838040912

e-mail:
mariyamtimes86@gmail.com

RNI No -
UPHIN/2015/63817

समाचार पत्र से सम्बन्धित समस्त प्रकार के विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय मान्य होगा।